RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रूबरू

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 अंक-360 जयपुर, गुरुवार, 25 जून 2026 मूल्य-4 रूपये

कोलकाता में निर्माणाधीन गोदाम ढहा, 5 की मौत, 20 को बचाया

कोलकाता

दक्षिण कोलकाता के तारातला ट्रांसपोर्ट डिपो के पास बुधवार दोपहर 12:07 बजे निर्माणाधीन गोदाम का शेड गिर गया। हादसे में अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है। मलबे में दबे 20 लोगों का रेस्क्यू कर लिया गया है, जिनमें दो आईसीयू में है। अन्य 18 की हालत खतरे से बाहर है।

मौके पर मौजूद युवक ने मलबे में दबे एक मजदूर का पैर पकड़कर रेस्क्यू टीम को उसकी सही जगह तक पहुंचने में मदद की, जिसके बाद टीम ने उसे बाहर निकाला।

युवक ने बताया कि मलबे में फंसा मजदूर दर्द से कराहते हुए बार-बार कह रहा था- 'मैंने अपना पैर खो दिया है, अगर जरूरत हो तो पैर का बाकी हिस्सा काटकर मुझे बाहर निकालो, बस मेरी जान बचा लो।'

सीएम शुभेंदु ने बताया कि अभी भी मलबे में 10 से 15 लोगों के दबे होने की आशंका है। हादसे के वक्त गोदाम में कितने लोग

मौजूद थे, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। लापरवाही के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सरकार ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री अग्निमित्रा पॉल और कौशिक चौधरी समेत कई मंत्री भी मौजूद रहे। राज्य सरकार ने लोगों की मदद के लिए हेल्पलाइन नंबर 1070, 8697981070 और 033-22143526/22535185 जारी किए हैं।

जानकारी के मुताबिक गोदाम की जमीन ओडिशा के व्यवसायी की थी जिन्होंने किसी प्रायवेट फर्म को इसे लीज पर दिया था।

राज्य के नगर विकास एवं नगर मामलों के राज्य मंत्री डॉ. इंद्रनील खान घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता मलबे में फंसे लोगों की जान बचाना है और सभी संबंधित एजेंसियां तेजी से काम कर रही हैं। राकेश सिंह, मंत्री अग्निमित्रा पाल और नगर निगम आयुक्त स्मिता पांडे भी घटनास्थल पर पहुंचे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शोकाकुल परिवारों के साथ खड़ी है और उन्हें हरसंभव सहायता दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने नगर विकास एवं नगर मामलों विभाग को पूरे अभियान में समन्वय बनाए रखने का निर्देश दिया है। वह स्वयं भी घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लेने के लिए रवाना हुए। इस बीच, मंत्री इंद्रनील खान ने निर्माण कार्य में निम्न गुणवत्ता की सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाते हुए तृणमूल कांग्रेस पर निशाना साधा है। स्थानीय लोगों ने भी गोदाम के निर्माण में अनियमितता और अवैध निर्माण का आरोप लगाया है। हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक जांच अभी शुरू नहीं हुई है।

दिल्ली रेप-मर्डर, दावा- आरोपी नपुंसक निकला, रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई

नई दिल्ली। दिल्ली में 11 साल की बच्ची के रेप-मर्डर को लेकर नया दावा किया गया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी कैब ड्राइवर इरेक्टाइल डिस्फंक्शन (संबंध बनाने में दिक्कत आना) से पीड़ित था। उसकी नपुंसकता रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है।

आरोपी ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि उसने गाड़ी की पिछली सीट पर बच्ची के साथ रेप करने की कोशिश की। लेकिन इरेक्टाइल डिस्फंक्शन के कारण वह ऐसा नहीं कर सका।

केदारनाथ धाम में दर्शनार्थियों का आंकड़ा 13.21 लाख से अधिक पहुंचा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम में बुधवार को 8,618 श्रद्धालुओं ने बाबा केदार के दर्शन किए। इसके साथ ही इस वर्ष की यात्रा में अबतक दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं की कुल संख्या 13.21 लाख से अधिक हो गई है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार 23 जून शाम पांच बजे से 24 जून शाम पांच बजे तक 4654 पुरुष, 3909 महिला श्रद्धालु तथा 55 बच्चों ने केदार बाबा के दर्शन किए। इस अवधि में किसी भी विदेशी श्रद्धालु के दर्शन के लिए पहुंचने का रिकॉर्ड दर्ज नहीं हुआ।

देश में एक जुलाई से वीबी-जी राम जी अधिनियम होगा लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार आगामी 01 जुलाई 2026 से विकसित भारत- रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) अधिनियम- 2025 यानी (वीबी-जी राम जी अधिनियम) लागू करने जा रही है। यह अधिनियम हर वित्त वर्ष में प्रत्येक ग्रामीण परिवार को कम से कम 125 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी प्रदान करता है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के मुताबिक इसके तहत गांवों के विकास के लिए अलग-अलग मंत्रालयों और सरकारी योजनाओं को एक साथ जोड़कर काम किया जाएगा, ताकि विकास कार्य तेजी से और बेहतर तरीके से पूरे हो सकें।

ईरान बोला- इस्लामाबाद समझौता अमेरिका की हार, हमने अपनी शर्तों पर डील की

ट्रम्प बोले-ईरान ने पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति को इज्जत दी

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दावा किया कि कई दशकों में पहली बार ईरान अमेरिका और उसके राष्ट्रपति को इतनी इज्जत दे रहा है।

उन्होंने कहा कि ईरान इस समय कमजोर स्थिति में है और समझौते के लिए लगभग हर शर्त मानने को तैयार है।

दूसरी ओर, ईरान के संसद अध्यक्ष बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका के साथ हुआ 'इस्लामाबाद समझौता' आखिरकार अमेरिका की हार बन चुका है।

अजरबैजान में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने दावा किया कि यह समझौता किसी दबाव या मजबूरी का नतीजा नहीं था, बल्कि हमने इसे अपनी शर्तों पर माना है।

ईरान युद्ध शुरू होने के बाद पहली बार अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। बुधवार को अमेरिकी बेंचमार्क वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (WTI) की कीमत 4.4% गिरकर 70 डॉलर से नीचे पहुंच गई।

वहीं वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड भी 4.6% गिरकर 73.50 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। यह भी ईरान युद्ध शुरू होने के बाद का सबसे निचला स्तर है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अबू धाबी में ,श्व के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान और अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने इसकी जानकारी दी।

दोनों पक्षों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ईरान के साथ हुए MoU, होर्मुज स्ट्रेट से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों पर चर्चा की।

बैठक में अमेरिका और UAE के मजबूत द्विपक्षीय संबंधों और रक्षा-व्यापार के क्षेत्र में जारी सहयोग पर भी बातचीत हुई।

पिगॉट ने कहा कि रुबियो ने UAE के नेतृत्व और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया, ईरान के हमलों के दौरान उसके साहस और मजबूती की सराहना की।

राजस्थान में 34 एसआई के तबादले

जयपुर

राजस्थान पुलिस मुख्यालय ने बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 34 उप निरीक्षकों (एसआई) के तबादला आदेश जारी किए हैं। महानिरीक्षक पुलिस (मुख्यालय) राहुल कोटोकी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार गृह जिला नीति एवं प्रशासनिक आवश्यकताओं के तहत यह स्थानांतरण किए गए हैं।

आदेश के मुताबिक, जोधपुर पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत आठ उप निरीक्षकों को प्रशासनिक आधार पर जोधपुर रेंज में स्थानांतरित किया गया है। वहीं एक उप निरीक्षक को सेवानिवृत्ति में दो वर्ष से कम अवधि शेष होने के कारण जोधपुर कमिश्नरेट में नॉन-फील्ड पद पर पदस्थापित किया गया है।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में कार्यरत कई उप निरीक्षकों को प्रशासनिक आधार पर सीआईडी (सीबी) और सिविल राइट्स (सीआईडी-सीबी) में स्थानांतरित किया गया है। इनमें अर्जुन लाल, बाबूलाल, दिलीप सिंह, रज्जाक अहमद और रामेश्वर लाल सहित कई अधिकारी शामिल हैं। तबादला सूची के अनुसार कुछ अधिकारियों को जयपुर कमिश्नरेट से अजमेर रेंज और जयपुर रेंज में भी भेजा गया है। ओमप्रकाश, राजेंद्र सिंह और रामकिशोर को अजमेर रेंज में पदस्थापित किया गया है, जबकि सरदारमल को जयपुर रेंज में लगाया गया है। पुलिस मुख्यालय ने उन अधिकारियों को विशेष राहत दी है जिनकी सेवानिवृत्ति में दो वर्ष से कम समय शेष है। ऐसे कई उप निरीक्षकों को जयपुर पुलिस आयुक्तालय के नॉन-फील्ड पदों पर नियुक्त किया गया है। इनमें कमलेश कुमारी, शारदा देवी, अब्दुल सलीम, भैरूराम, गोपाल लाल, साबिर खान और गीता देवी के नाम शामिल हैं। पुलिस मुख्यालय के अनुसार सभी तबादले गृह जिला नीति के अनुरूप और प्रशासनिक जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खुलती जा रही परतें

एसआईटी ने चंपत राय समेत 17 को आरोपी माना

टिन्नू के पास से मिलीं दानपात्रों की चाबियां

अयोध्या

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में स्पेशल इन्वेस्टिशन टीम यानी एसआईटी ने जांच रिपोर्ट में मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और निर्माण प्रभारी गोपाल राव समेत 17 लोगों को आरोपी माना है। इनके खिलाफ एफआईआर होना लगभग तय माना जा रहा है। सूत्रों से इस बात की जानकारी पता चली है।

जांच के दौरान एसआईटी टीम को दानपात्रों की चाबियां रामशंकर

यादव उर्फ टिन्नू के पास मिलीं।

एसआईटी ने ऐसे करीब 150 सेवादारों और कर्मचारियों को चिह्नित किया है, जिनकी आर्थिक स्थिति में 22 जनवरी 2024 को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद बदलाव आया। इनमें चंपत राय के करीबी माने जाने वाले फूलकांत मिश्रा भी शामिल हैं। उनके पास 3 लग्जरी कारें हैं, जिनकी कुल कीमत 25 लाख है।

एसआईटी ने मंगलवार को अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी। सूत्रों के मुताबिक, इसमें एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दोबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। किसी सीनियर अफसर को मंदिर का CEO नियुक्त करने का भी सुझाव है।

टीम ने बताया कि 20 पन्नों की यह शुरुआती रिपोर्ट है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ की डिटेल है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने पिछले 5 साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने की भी सिफारिश की है। चढ़ावे में अनियमितता रोकने के लिए सुझाव दिए हैं।

ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सूत्रों के मुताबिक, राज्य सरकार की तरफ से रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को मिल गई है। पीएमओ तय करेगा कि ट्रस्ट के किन सदस्यों को रखा जाए या हटाया जाए।

मुंबई की लोकल ट्रेन में युवक की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

बारिश में गेट खोलने को लेकर विवाद हुआ था

मुंबई

मुंबई में मानसून की पहली बारिश के बीच लोकल ट्रेन में दरवाजा खुला रखने को लेकर हुए विवाद में एक यात्री ने दूसरे यात्री की जान ले ली। मृतक की पहचान 22 साल के मयंक लोहार के रूप में हुई है। आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, घटना मंगलवार रात करीब 10:42 बजे अंधेरी और बोरीवली स्टेशन के बीच चर्चगेट-नालासोपारा फास्ट लोकल ट्रेन के फर्स्ट क्लास डिब्बे में हुई। ट्रेन के बोरीवली स्टेशन पहुंचने से ठीक पहले आरोपी रोशन सुवर्णा चलती ट्रेन से कूदकर फरार हो गया था। वारदात का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।

पुलिस के मुताबिक, ट्रेन अंधेरी स्टेशन पर पहुंची थी, तभी मयंक और रोशन सुवर्णा के बीच गेट खुला रखने को लेकर बहस शुरू हो गई। रोशन दरवाजा खुला रखना चाहता था जबकि मयंक बारिश का हवाला देकर इसका विरोध कर रहा था।

सरकार बोली- पासपोर्ट यात्रा दस्तावेज, नागरिकता का प्रमाण नहीं

इसे भारतीयों को जारी किया जाता लेकिन ये नागरिकता साबित नहीं करता

नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय ने बुधवार को स्पष्ट किया है कि भारतीय पासपोर्ट नागरिकता का प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि मुख्य रूप से एक यात्रा दस्तावेज है। सरकार ने 14वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर प्रेस ब्रीफिंग में ये बात बताई।

मंत्रालय ने स्पष्टीकरण में कहा कि पासपोर्ट केवल अंतरराष्ट्रीय यात्रा की सुविधा के लिए जारी किया जाता है। हालांकि यह सिर्फ

भारतीय नागरिकों को ही दिया जाता है, लेकिन अपने आप में यह नागरिकता स्थापित करने वाला दस्तावेज नहीं माना जाएगा।

इससे पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण से जुड़ी सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि आधार कार्ड पहचान का दस्तावेज है, नागरिकता का नहीं।

पासपोर्ट राष्ट्रीयता की पहचान देता, नागरिकता का नहीं

राष्ट्रीयता बताती है कि आप किस देश से संबंध रखते हैं। जबकि नागरिकता बताती है कि उस देश में आपको कौन-कौन से कानूनी अधिकार मिले हैं। राष्ट्रीयता आपकी पहचान होती है। नागरिकता आपके अधिकार और जिम्मेदारियां तय करती है।

10 साल में 7 गुना बढ़े केंद्र, 1.47 करोड़ ई-पासपोर्ट जारी

मंत्रालय ने बताया कि पिछले एक दशक में पासपोर्ट सेवा केंद्र और संबंधित सुविधाओं की संख्या 77 से बढ़कर 545 हो गई है। 2025 में शुरू हुए चिप आधारित ई-पासपोर्ट की अब तक 1.47 करोड़ प्रतियां जारी की जा चुकी हैं।

आवेदन निपटाने का औसत समय घटकर 5-6 दिन रह गया है। 2019 के 16 देशों के मुकाबले अब 27 देश भारतीयों को वीजा-फ्री प्रवेश देते हैं।

एअर इंडिया का विमान पाकिस्तान एयरस्पेस में घुसा

नई दिल्ली

दिल्ली से अमृतसर जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-479 तकनीकी खराबी के भटककर पाकिस्तान के हवाई क्षेत्र में पहुंच गई। घटना सोमवार रात की है। पाकिस्तान की एयर ट्रैफिक अथॉरिटी की चेतावनी के बाद विमान ने यू-टर्न लिया और भारतीय हवाई क्षेत्र में वापस लौट आया। वहीं, अमृतसर में नाम लैंडिंग की अनुमति नहीं मिलने के कारण फ्लाइट को वापसी दिल्ली लौटना पड़ा जिसके चलते यात्रियों को दिक्कत का सामना करना पड़ा। अभी तक इसपर अधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन आधिकारिक सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया है कि तकनीकी खराबी के चलते विमान अपने तय मार्ग से भटक गया था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। जानकारी के मुताबिक एयरबस ए321 विमान ने सोमवार रात 9 बजकर 07 मिनट पर दिल्ली से उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान तकनीकी खामी आने से विमान अपने निर्धारित रूट से भटक गया। हालांकि समय रहते स्थिति को संभाल लिया गया।

प्रधानमंत्री की 4 जुलाई को प्रस्तावित राजस्थान यात्रा, राष्ट्र को समर्पित करेंगे पचपदरा रिफाइनरी

ऐतिहासिक आयोजन के साथ विकास, रोजगार और सहभागिता का बनें उत्सव

जयपुर मेट्रो फेज-2 के शिलान्यास सहित विभिन्न विकास कार्यों की मिलेगी सौगातें

जयपुर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 4 जुलाई को बालोतरा के पचपदरा आएंगे। इस अवसर पर पचपदरा रिफाइनरी के उद्घाटन एवं जयपुर मेट्रो फेज-2 के शिलान्यास के साथ ही प्रधानमंत्री प्रदेशभर में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की सौगात देंगे। इस दौरान विभिन्न सरकारी नौकरियों में चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री की इस प्रस्तावित यात्रा की तैयारियों को लेकर बैठक ली और ऐतिहासिक आयोजन को लेकर निर्देश दिए।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकारी सेवा में नियुक्ति पत्र प्राप्त करना प्रत्येक युवा के जीवन का गौरवपूर्ण क्षण होता है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी जिलों में विशेष आयोजन के साथ नियुक्ति पत्र प्राप्त करने वाले युवाओं एवं आमजन को प्रधानमंत्री के मुख्य कार्यक्रम से वर्चुअल माध्यम से जोड़ा जाए, ताकि वे इस ऐतिहासिक अवसर के सहभागी बन सकें। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं, जनप्रतिनिधियों एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाए ताकि यह आयोजन विकास, रोजगार एवं सहभागिता का उत्सव बन सकें।

उन्होंने कहा कि पचपदरा रिफाइनरी प्रदेश के औद्योगिक विकास, निवेश संवर्धन तथा रोजगार सृजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण परियोजना है। ऐसे में उद्घाटन कार्यक्रम से जुड़ी सभी तैयारियां समय पर पूर्ण की जाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि रिफाइनरी परिसर में सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा प्रभावी निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के दौरान सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रहें और किसी प्रकार की कमी न रहे।

कार्यक्रम में ईंधन संरक्षण का दें संदेश

मुख्यमंत्री ने रिफाइनरी प्रबंधन को इस अवसर पर सघन पौधारोपण अभियान संचालित करने के निर्देश देते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनें। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में आयोजित कार्यक्रमों में ईंधन संरक्षण एवं ऊर्जा बचत के प्रति आमजन को जागरूक किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सदैव श्रम और श्रमिकों का सम्मान करते हैं। रिफाइनरी में कार्यरत श्रमिकों की भी कार्यक्रम में सार्थक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने आयोजन स्थल पर आगंतुकों के बैठने की व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, पार्किंग, सुरक्षा, यातायात सहित अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

राजस्थान में तेज बारिश, गाड़ियां फंसीं

दिल्ली में आंधी-बारिश, मानसून एमपी-गुजरात पहुंचा

जयपुर

देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली में प्री-मानसून बारिश जारी है। यूपी के आगरा में आंधी से सड़क किनारे खड़ी कारों पर पोल गिर गया। दो कारों का पिछला हिस्सा दब गया।

राजस्थान के सीकर और चूरू के कई इलाकों में तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया, जिससे बाइक-कारें फंस गईं। दिल्ली में बुधवार शाम तेज आंधी के साथ बारिश हुई, जबकि हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में बादल फटने से काचरंग नाला में बाढ़ आ गई।

मुंबई में अंधेरी सब-वे में पानी भर गया। इसे अस्थाई रूप से बंद

किया गया है। विक्रोली वेस्ट में रिहायशी इमारत के पास बनी रिटेनिंग वॉल गिर गई। कई इलाकों में पेड़ उखड़े, जिसकी चपेट में आने से कई वाहनों को नुकसान पहुंचा।

अरुणाचल प्रदेश में एक हफ्ते से हो रही भारी बारिश के बीच बुधवार को कीयी पन्योर जिले की नीपको प्रोजेक्ट कॉलोनी में बाढ़ आ गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, 4 लोग लापता हैं और 18 से अधिक घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

मध्य प्रदेश और गुजरात में बुधवार को मानसून ने 9 दिन की देरी से एंट्री की। इसके साथ ही मानसून अब देश के 22 राज्यों में पहुंच चुका है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को भी कवर कर सकता है।

ढोल-नगाड़ों के साथ खुले बाबा महाकाल के कपाट, त्रिशूल, त्रिपुण्ड से हुआ श्रृंगार

उज्जैन (एजेंसी)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस दौरान बाबा महाकाल के दरबार में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे। भक्तों ने देर रात से ही लाइन में लगकर बाबा महाकाल के दर्शन किए। मंगलवार तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। महाकाल मंदिर के पट खुलने के साथ ही मंत्रोच्चार के बीच भगवान महाकाल का जलाभिषेक कर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से अभिषेक किया गया। भगवान महाकाल का रजत चंद्र, त्रिशूल, त्रिपुण्ड और ड्रायफ्रूट से राजा स्वरूप में श्रृंगार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल की भस्म आरती के दर्शन किए। पहले महाकाल को शमशान की राख अर्पित की जाती थी लेकिन अब विशेष रूप से कपिला गाय के गोबर और औषधीय जड़ी-बूटियों से तैयार भस्म का इस्तेमाल होता है। भस्म आरती के दौरान पुरुषों के लिए पारंपरिक धोती-सोला और महिलाओं के लिए साड़ी पहनना जरुरी है। बाबा महाकाल की आरती देखने बड़ी हस्तियां भी आती हैं। इस दौरान मंदिर के आसपास व्यवस्था बनाए रखने के लिए बड़े पैमाने पर पुलिसकर्मियों की तैनाती रहती है।

10 साल की मासूम से रेप, हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में गुब्बारे बेचने वाली 10 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। सोमवार की सुबह फुटपाथ पर सो रही बच्ची का टैक्सी ड्राइवर ने किडनैप किया था। इसके बाद उसने उसका रेप किया और हत्या कर लाश महरौली के जंगलों में फेंक दी थी। सोमवार की सुबह करीब 6 बजे परिवार ने पीसीआर कॉल के जरिए महरौली थाने में बच्ची की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से चार घंटे में ही बबलू नाम के टैक्सी ड्राइवर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर बच्ची का शव बरामद कर लिया है। शव पोस्टमॉर्टम के लिए आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है।

ममता बनर्जी की शिकायत पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने दिया आदेश

-भवानीपुर के ईवीएम-वीवीपैट सुरक्षित रखे जाएं, जरूरत पड़ने पर जांच होगी

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की भवानीपुर विधानसभा सीट के रिजल्ट में गड़बड़ी के आरोपों पर सुनवाई की। कोर्ट ने मतगणना से जुड़े सभी अहम साक्ष्य सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। अदालत ने कहा कि ईवीएम-वीवीपैट, सीसीटीवी फुटेज और अन्य संबंधित रिकॉर्ड संरक्षित रखे जाएं। जरूरत पड़ने पर उनकी जांच होगी। जस्टिस गौरांग कांत ने मतगणना केंद्र रहे शेखावाटी मेमोरियल स्कूल के अंदर और बाहर लगे सभी सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सुरक्षित रखने का भी आदेश दिया। अदालत ने मामले में सभी संबंधित पक्षों को शामिल करने के निर्देश भी दिए हैं। इसके तहत मुख्यमंत्री शुभेंदु उनके सलाहकार सुभ्रत गुप्ता और सुनील अग्रवाल को पक्षकार बनाने का आदेश दिया गया है। भवानीपुर सीट पर शुभेंदु अधिकारी ने पूर्व सीएम ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था।

एक मोबाइल नंबर से खुला 3000 करोड़ का फर्जीवाड़ा

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब के मंडी गोबिंदगढ़ में सगे भाइयों द्वारा 3000 करोड़ से अधिक के विशाल फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है। संगठित गिरोह ने बिना किसी वास्तविक खरीद-बिक्री के, केवल कागजों पर हजारों करोड़ का टर्नओवर दिखाया। आरोप है कि उन्होंने गरीब और ज़रूरतमंद लोगों के आधार, पैन और वोटर आईडी का दुरुपयोग कर 27 फर्जी कंपनियाँ बनाईं। इन कागजी कंपनियों के ज़रिए 720 करोड़ के फर्जी बिल काटे गए, जिससे सरकार से 108 करोड़ का अनुचित टैक्स लाभ लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पूरे खेल का भंडाफोड़ किसी मुखबिर ने नहीं, बल्कि अलग-अलग कंपनियों में इस्तेमाल हो रहे एक ही मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी ने किया। कुल 25 बैंक खातों से 3089 करोड़ नकद निकाले गए। यह घोटाला 2018 से 2024 तक चलता रहा। बैंक अधिकारियों की सूचना पर 2024 में डीजीजीआई ने जाँच शुरू की और 9 अक्टूबर 2024 को रेड कर मास्टरमाइंड भाइयों को गिरफ्तार किया। 9 महीने जेल में रहने के बाद उनकी जमानत हो गई। इसके उपरांत ईडी ने मामले की गहनता से जाँच की और 19 जून 2026 को लुधियाना पुलिस कमिश्नर को शिकायत दी। कमिश्नर के आदेश पर अमित गोयल सहित पाँच नामजद आरोपियों और कुछ अज्ञात के खिलाफ थाना जमालपुर में एफआईआर दर्ज की गई है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को राष्ट्रव्यापी श्रद्धांजलि, पीएम मोदी, सीएम सुवेंदु ने किया याद

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सीएम अधिकारी ने दक्षिण कोलकाता स्थित केओरतला श्मशान घाट में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी डॉ. मुखर्जी को श्रद्धांजलि देकर उन्हें एक विशिष्ट राष्ट्रभक्त, विद्वान और राजनेता बताया, जिन्होंने अपना जीवन भारत के विकास के लिए समर्पित किया। उन्होंने पोस्ट में कहा कि सार्वजनिक जीवन में उनकी अटूट निष्ठा, साहस और राष्ट्रीय हित के प्रति प्रतिबद्धता पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी कोलकाता में डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का निधन 23 जून, 1953 को रहस्यमय परिस्थितियों में श्रीनगर की एक जेल में हुआ था। उन्हें बिना परमिट जम्मू-कश्मीर में प्रवेश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

हमने तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने कितना संघर्ष किया...अब यहां पर हैं

-तमिलनाडु के सीएम विजय ने विधानसभा में आलोचकों को दिया करारा जवाब

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने उन आलोचकों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने उनकी तमिलगा वेट्री कड़गम (टीवीके) को एक्टर की पार्टी कहा है। मंगलवार सुबह विधानसभा में दिए भाषण में उन्होंने अप्रैल-मई के चुनावों में टीवीके की सफलता की ओर इशारा करते हुए आलोचकों को याद दिलाया कि उनकी पार्टी कितनी सफल रही है। अपने दमदार भाषण में उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। केंद्र सरकार का गैर-हिंदी भाषी राज्यों पर हिंदी थोपना और नीट को खत्म करने की मांग। उन्होंने टीवीके की राजनीतिक ताकत और अपनी प्रशासनिक समझ पर शक करने वालों और आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया।

विजय ने विधानसभा को याद दिलाया कि उनकी पार्टी ने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया है और न तो पार्टी और न ही उनका खुद का इरादा कभी खत्म होने का है। उन्होंने कहा कि हमें आसानी से सत्ता नहीं मिली। सिर्फ हम ही जानते हैं कि तमिल लोगों के दिलों में जगह बनाने के लिए हमने कितना संघर्ष किया। कुछ लोग ऐसा दिखावा करते हैं जैसे वे समझते नहीं हैं और हमारी आलोचना करते हैं, कहते हैं वह तो बस एक एक्टर की पार्टी है।

सीएम विजय ने कहा कि हम ऐसी आलोचनाओं की परवाह नहीं करते। हमारी राजनीति साफ़-सुथरी है। हमें 35 फीसदी वोट मिले। कुछ लोग कहते हैं कि हम बहुत आसानी से सत्ता में आ गए... लेकिन हमने साजिशों और पाबंदियों का सामना किया। हमने हर चीज़ का सामना किया...और आज हम यहां पर हैं। अभी लंबा सफ़र तय करना है। नीट जो देश में मेडिकल कोर्स में एडमिशन के लिए एक ही क्वालिफाइंग परीक्षा है इस पर चल रहे विवाद पर विजय ने कहा कि यह सिस्टम असमानता पैदा करता है और उन्होंने इसे खत्म करने की मांग की।

पिछले कुछ सालों में नीट परीक्षा विवादों का केंद्र रही है, जिसमें परीक्षा के दबाव के कारण छात्रों की आत्महत्या से लेकर प्रश्न पत्रों के लीक होने तक की घटनाएं शामिल हैं, जिन्होंने देश में चिकित्सा शिक्षा की विश्वसनीयता को धूमिल किया है। तमिलनाडु ने बार-बार परीक्षा रद्द करने और 12वीं कक्षा के अंकों के आधार पर सीटें आवंटित करने की मांग की है और हिंदी को थोपने के मुद्दे पर दक्षिणी राज्य में एक संवेदनशील मुद्दा है और जिस पर अतीत में हिंसक दंगे भी हुए हैं। नए सीएम विजय ने जोर देकर कहा कि मौजूदा दो-भाषा नीति, यानी तमिल और अंग्रेजी पर्याप्त है।

ईरान जंग में इजराइल-अमेरिका से ज्यादा भारतीय मरे

-अमेरिका के 13, इजराइल के 24 तो भारत के 25 लोग मारे गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान युद्ध में इजराइल और अमेरिका से ज्यादा भारतीय नागरिक मारे जा चुके हैं। वो भी तब, जब भारत इस जंग में किसी भी तरह से शामिल नहीं है। सोमवार (22 जून) को कतर के रास लाफान पर हमले में 12 भारतीयों की मौत हो गई, जिसके बाद युद्ध की चपेट में आने से मरने वाले भारतीयों की संख्या 25 पर पहुंच गई है। वहीं इस युद्ध में अमेरिका के 13 तो इजराइल के 24 नागरिक मारे गए हैं। युद्ध में इजराइल के हमले से सबसे ज्यादा लेबनान के 4 हजार और ईरान के 3600 लोग मारे गए हैं। 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई से लेकर इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख मोहम्मद पाकपूर और ईरान सर्वोच्च सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारिजानी तक की हत्या हो चुकी है। कतर के रास लाफान के अलावा भारत के 6 नागरिक होर्मुज में मारे गए। इनमें 3 नागरिकों की मौत अमेरिकी हमले में हो गई। भारत ने इसको लेकर अमेरिका के खिलाफ कड़ी नाराजगी जाहिर की थी। खुद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिकी विदेश मंत्री को फोन कर इस पर प्रतिरोध जताया था। इसके अलावा कतर में ही पिछले दिनों एक हमले में एक भारतीय की मौत हो गई थी। एक भारतीय की मौत कुवैत में ईरान के हमले के दौरान हो गई थी। यूएई में भी भारतीय मारे जा चुके हैं। यानी कुल मिलाकर ईरान जंग में अब तक 25 भारतीयों की मौत हो चुकी है।

अलका याग्निक समेत 65 हस्तियों को राष्ट्रपति मुर्मू ने किया अलंकृत

-शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण, ममूटी और विजय अमृतराज भी हुए सम्मानित

नई दिल्ली(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'सिविल इन्वेस्टिचर सेरेमनी-2' में वर्ष 2026 के लिए 65 विशिष्ट हस्तियों को पद्म पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित होने वालों में झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक और पूर्व केंद्रीय मंत्री शिबू सोरेन, प्रसिद्ध गायिका अलका याग्निक, अभिनेता ममूटी और पूर्व टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज प्रमुख रहे।

राष्ट्रपति भवन के भव्य दरबार हॉल में आयोजित समारोह में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई केंद्रीय मंत्री और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। समारोह के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली हस्तियों को देश के प्रतिष्ठित नागरिक सम्मानों से नवाजा गया। इस दूसरे नागरिक सम्मान समारोह में राष्ट्रपति ने कुल 65 पद्म पुरस्कार प्रदान किए, जिनमें दो पद्म विभूषण, सात पद्म भूषण और 56 पद्म श्री शामिल हैं। इससे पहले मई में आयोजित पहले समारोह में भी 65 लोगों को पद्म सम्मान दिए गए थे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री और झारखंड के वरिष्ठ आदिवासी नेता शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। उनकी पत्नी रूपी सोरेन ने राष्ट्रपति से यह सम्मान ग्रहण किया। वहीं, लोकप्रिय पार्श्व गायिका अलका याग्निक को भी उनके संगीत क्षेत्र में योगदान के लिए पद्म सम्मान प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने पी. नारायणन और सेवानिवृत्त न्यायाधीश के. टी. थॉमस को क्रमशः साहित्य एवं शिक्षा तथा जनसेवा के क्षेत्र में पद्म विभूषण से सम्मानित किया। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के प्रोफेसर महेंद्र नाथ रॉय को विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

समारोह की एक विशेषता यह भी रही कि विदेशी नागरिकों को भी उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अमेरिका के चिकित्सक डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी को पद्म भूषण दिया गया, जबकि रूस की ल्यूडमिला खोखलोवा को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। जॉर्जिया के व्लादिमीर मेस्तविरीश्विली को मरणोपरांत खेल क्षेत्र में पद्मश्री प्रदान किया गया।

देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कार कला, साहित्य, विज्ञान, चिकित्सा, शिक्षा, खेल, समाज सेवा और जनसेवा सहित विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान के लिए दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों की घोषणा प्रत्येक वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ी हलचल, एकनाथ शिंदे की विपक्ष को चेतावनी- 'अभी और भी झटके लगेंगे'

मुंबई(एजेंसी)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शिवसेना (उबाठा) के लोकसभा सांसदों के टूटने के बाद विधानसभा में दिखी फूट को लेकर मंगलवार को मखौल उड़ाते हुए कहा कि विपक्षी सदस्य 'जोर का झटका' लगने की वजह से अपना 'मानसिक संतुलन' खो बैठे हैं और उन्हें 'और भी झटके' लगने वाले हैं। विधानसभा में आदित्य ठाकरे नीत शिवसेना (उबाठा) और अन्य विपक्षी दलों के विधायकों ने मंत्रियों द्वारा दूसरे विभागों से जुड़े सवालों का जवाब दिये जाने पर आपत्ति जताई और सदन से बहिर्गमन किया, जिसके बाद शिंदे की यह तीखी प्रतिक्रिया आई है।

विपक्ष ने मॉनसून सत्र के दौरान विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर द्वारा कुछ विभागों की जिम्मेदारी कुछ मंत्रियों को सौंपने पर आपत्ति जताई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के सदस्य जयंत पाटिल ने विधानसभा अध्यक्ष से फैसला वापस लेने की मांग की, जबकि आदित्य ठाकरे ने कहा कि सदन में उठाए गए मुद्दों का जवाब केवल संबंधित विभाग के राज्य मंत्री ही दे सकते हैं। कांग्रेस के नितिन राउत (कांग्रेस) ने कहा कि ऐसी व्यवस्था पहले कभी नहीं देखी गई थी। शिंदे ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि विपक्ष के पास अब कोई मुद्दा नहीं बचा है और वह कार्यवाही में रचनात्मक रूप से भाग लेने के बजाय उसमें बाधा डाल रहा है।

उप मुख्यमंत्री और शिवसेना अध्यक्ष शिंदे ने कहा, ''सवालों के जवाब देने और 'ध्यानाकर्षण प्रस्तावों'' के लिए मंत्रियों को नियुक्त करने से यह सुनिश्चित हुआ कि सदस्यों को ज्यादा जानकारी मिले। सदन में मौजूद रहना और सदस्यों के सवालों का जवाब देना सरकार की सामूहिक जिम्मेदारी है।'' उन्होंने कहा,'' मैं खुद सदन में आता हूं और मुख्यमंत्री भी खुद आकर जवाब देते हैं। इसलिए, यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।''

शिवसेना नेता ने विरोध कर रहे सदस्यों पर तंज कसते हुए कहा, ''जो भी जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे पूरा किया जाना चाहिए। आप बस कुछ भी बोलते नहीं रह सकते, बेकार की बातें करके सदन का समय बर्बाद नहीं कर सकते।'' विपक्षी खेमे की खाली कुर्सियों की ओर इशारा करते हुए शिंदे ने कहा कि उन्हें (विपक्ष को) पता नहीं है कि उनके साथ क्या हो रहा है। उन्होंने संभवतः शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के बुधवार को पाला बदलकर शिवसेना में शामिल होने का संदर्भ देते हुए कहा, ''कल उन्हें ज़ोर का झटका लगा। उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया है और उन्हें आगे और भी झटके लगने वाले हैं।

चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू यूपी के मुजफ्फरनगर में ढेर

मुजफ्फरनगर (एजेंसी)। देश के चार राज्यों में वांटेड कुख्यात सतपाल उर्फ सत्तू उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एनकाउंटर में मारा गया। पुलिस अब उसके माफिया डॉन छोटा राजन गैंग से ताल्लुकात होने की जांच में जुटी है। सत्तू को चार राज्यों पंजाब, यूपी, चंडीगढ़ और दिल्ली पुलिस तलाश कर रही थी। यूपी के मुजफ्फरनगर में कुख्यात बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू के साथ सोमवार देर रात सिविल लाइन थाना पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई, इसी दौरान वो मारा गया। पहले पुलिस को सूचना मिली थी कि 19 जून को एक नाबालिग युवती का अपहरण कर ले जाने वाला बदमाश क्षेत्र में किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। इसी को लेकर पुलिस सघन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान रुड़की रोड पर बामनहेड़ी में जब संदिग्ध वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। पुलिस ने उसकी कार को रुकने का इशारा किया। इसी दौरान खुद को घिरता देख कार सवार बदमाश ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। इस पर पुलिस ने घेराबंदी करते हुए जब आत्मरक्षा में ज़वाबी फायरिंग की। इसी पुलिस मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से वो घायल हो गया। इस मुठभेड़ में इस बदमाश की गोली से एक सब इंस्पेक्टर अजय गौड़ और सिपाही अंकित भी घायल हो गए। इसके बाद पुलिस ने घायल बदमाश और दोनों पुलिस कर्मियों को उपचार के लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से घायल बदमाश की हालत नाजुक देखते हुए डॉक्टर ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। इसमें इलाज के दौरान घायल हुए बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू ने मंगलवार दोपहर डेढ़ बजे दम तोड़ दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू चंडीगढ़ का रहने वाला था। उस पर मुजफ्फरनगर पुलिस ने भी उस पर घोषित कर रखा था। इस शातिर बदमाश सतपाल उर्फ सत्तू की गिरफ्तारी के लिए मुजफ्फरनगर एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने 10 टीमों को लगाया था। इस दौरान 1000 सीसीटीवी कैमरे खंगालने के बाद ये जानकारी जुटाई थी कि ये शातिर बदमाश एक बड़ा क्रिमिनल है, जो पूर्व में 15 साल जेल में बिता चुका है और फरवरी 2026 में ये शातिर लुधियाना जेल से फरार हुआ था।

राम मंदिर दान विवाद: सलमान खुर्शीद ने सरकार से मांगी जवाबदेही

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद ने अयोध्या में राम मंदिर के लिए मिले दान में कथित हेराफेरी को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने मामले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर कहा कि यह आस्था और जनता के भरोसे से जुड़ा गंभीर मामला है, जिस पर केंद्र सरकार को जवाबदेह होना चाहिए।

कांग्रेस नेता खुर्शीद ने कहा कि उन्होंने राम जन्मभूमि मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा, क्या इससे बड़ी कोई त्रासदी हो सकती है? खुर्शीद ने कहा कि यह दान भगवान राम की संपत्ति है और लाखों भक्तों के भरोसे को तोड़ने वालों को सज़ा देकर मंदिर की पवित्रता बनाए रखना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि अगर उन्हें भगवान राम में ज़रा भी आस्था है, तब वह सबसे पहले इसतरह के दोषियों पर कड़ी कार्रवाई क्यों नहीं करती।

इस विवाद की शुरुआत अयोध्या से पूर्व सपा विधायक पवन पांडे के आरोपों से हुई थी, जिन्होंने दावा किया था कि राम मंदिर के दान से 7 से 7.5 करोड़ का गबन हुआ है। इन गंभीर आरोपों के बाद, श्री राम जन्मभूमि मंदिर ट्रस्ट के अनुरोध पर, राज्य सरकार ने 14 जून को कथित घोटाले की जांच के लिए तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया।

इस बीच, कथित वित्तीय गड़बड़ियों की कोर्ट की निगरानी में जांच कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर की गई है। इस याचिका में एक प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के तहत एक विशेष जांच टीम (एसआईटी) गठित करने की मांग की गई है। इसका उद्देश्य ट्रस्ट के कामकाज, वित्तीय कुप्रबंधन, गायब धनराशि और अन्य अनियमितताओं की गहन जांच करना है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग कर याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि संस्थागत ईमानदारी, कानून के शासन और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के प्रशासन में जनता के भरोसे को बनाए रखने के लिए अदालत का हस्तक्षेप आवश्यक है। याचिका में यह भी कहा गया है कि वर्तमान एसआईटी जांच का दायरा स्पष्ट नहीं है और जांच के शुरुआती चरण सबूतों को सुरक्षित रखने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसमें चेतावनी दी गई है कि किसी भी देरी से अहम सबूतों से छेड़छाड़ हो सकती है और निष्पक्ष जांच में बाधा आ सकती है। अतः, सच्चाई का पता लगाने और जवाबदेही तय करने के लिए एक स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच अनिवार्य है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में पुलिस अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज

-एसडीपीओ और थानाध्यक्ष समेत कई पुलिसकर्मियों पर केस

-परिजनों ने न्याय नहीं मिलने पर आत्मदाह की चेतावनी दी

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के चर्चित भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। मामले में जगदीशपुर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ), शाहपुर थानाध्यक्ष समेत मुठभेड़ में शामिल अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ शाहपुर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है। इस कार्रवाई के बाद मामले की जांच को नया मोड़ मिल गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एनकाउंटर को लेकर उठे सवालों और मृतक के परिजनों की शिकायत के आधार पर पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले भी इस मामले की विभिन्न स्तरों पर जांच चल रही थी और राज्य सरकार न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। गौरतलब है कि भरत तिवारी की पुलिस मुठभेड़ में मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने इसे फर्जी एनकाउंटर बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। इस घटना को लेकर राज्य की राजनीति भी गर्मा गई और विभिन्न राजनीतिक दलों ने मामले की स्वतंत्र जांच की मांग उठाई।

मृतक के भाई चंदन तिवारी ने सरकार की ओर से घोषित न्यायिक जांच पर अविश्वास जताते हुए मीडिया के समक्ष कहा, परिवार को केवल जांच नहीं, बल्कि दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि न्याय नहीं मिला तो पूरा परिवार आत्मदाह करने को मजबूर होगा। वहीं, भरत तिवारी के पिता काशीनाथ तिवारी ने आरोप लगाया कि घटना के समय उनके पुत्र के पास दो मोबाइल फोन थे। पुलिस ने एक मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल वापस कर दी है, लेकिन दूसरा निजी मोबाइल अब भी पुलिस के कब्जे में है। परिवार का कहना है कि यह मोबाइल मामले की जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य साबित हो सकता है।

पाकिस्तान के दावों की पोल खुली: सभी 36 राफेल लड़ाकू विमान सुरक्षित और ऑपरेशनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। नभारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने आधिकारिक दस्तावेज जारी कर पाकिस्तान के उन मनगढ़ंत दावों को ध्वस्त किया है, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय राफेल लड़ाकू विमानों को मार गिराने की बात कही जा रही थी। इस दस्तावेज़ से पुष्टि होती है कि भारत के पास फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल विमान पूरी तरह से सुरक्षित और ऑपरेशनल हैं। इस तरह भारत के राफेल पर गलतबयानी करने वाले पाकिस्तान को फिर करारा तमाचा लगा है।

एयर मुख्यालय के डायरेक्टरेट ऑफ इंजीनियरिंग (राफेल) द्वारा 15 जून, 2026 को फ्रांस की सैफ्रान एयरक्राफ्ट इंजिन्स को भेज एक ब्रिज सपोर्ट प्रस्ताव (आरएफपी) में बताया गया हैं कि भारतीय वायुसेना 2016 के भारत-फ्रांस सरकारी समझौते के तहत प्राप्त सभी 36 राफेल विमानों का संचालन कर रही है। यह टेंडर सितंबर 2026 के बाद भी इन विमानों के निर्बाध रखरखाव और तकनीकी सहायता की आवश्यकता पर केंद्रित है, विशेषकर अगले पाँच महीनों की अंतरिम अवधि के लिए।

36 राफेल विमानों के पूरे बेड़े के लिए समर्थन पैकेज का यह प्रस्ताव पाकिस्तान के उन झूठे प्रचार को सिरे से खारिज करता है, जिसमें दावा किया रहा था कि भारत के कई राफेल विमानों को मार गिराया गया है। पाकिस्तान सेना और उसके समर्थक ऑपरेशन सिंदूर के दौरान तीन राफेल विमानों के नष्ट होने और यहां तक कि भारतीय महिला पायलट को पकड़ने जैसे बेबुनियाद आरोप लगाए थे। हालांकि, आईएएफ के हालिया दस्तावेज में बेड़े की संख्या में किसी भी कमी का कोई जिक्र नहीं है, बल्कि यह सभी 36 विमानों की निरंतर परिचालन आवश्यकताओं का हिसाब देता है।

दस्तावेजों के अनुसार, सपोर्ट पैकेज का उद्देश्य सभी 36 राफेल विमानों को चालू हालत में बनाए रखना है। इसके तहत प्रत्येक विमान के लिए औसतन सालाना 150 घंटे की उड़ान तय की गई है, जिससे पांच महीने की ब्रिज पीरियड के दौरान कुल 2,250 घंटे की उड़ान का अनुमान है। यह ब्रिज सपोर्ट 18 सितंबर, 2026 के बाद विमानों के संचालन को बिना किसी रुकावट के जारी रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

रक्षा सूत्रों का कहना है कि रखरखाव और समर्थन अनुबंध आम तौर पर ऑपरेटर के पास मौजूद वास्तविक इन्वेंट्री पर आधारित होते हैं, और 36 विमानों के पूरे बेड़े का बार-बार उल्लेख पाकिस्तान के राफेल नुकसान के दावों पर और प्रश्नचिह्न लगाता है। आईएएफ चीफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने पहले ही पाकिस्तान के इन दावों को मनोहर कहानियां करार दिया था। वायुसेना के राफेल बेड़े के लिए ये सपोर्ट टेंडर सैफ्रन एयरक्राफ्ट इंजन को भेजा गया है, जो राफेल के एम88 इंजन बनाने वाली मूल कंपनी है। ये 36 राफेल विमान आईएएफ के नंबर 17 स्क्वाड्रन गोल्डन एरोज़ और नंबर 101 स्क्वाड्रन में तैनात हैं।

चोर बेखौफ, पुलिस बेखबर: ढीकोला में बुजुर्ग पर हमला

रातभर ग्रामीण करते रहे पीछा, सुबह चौकी पर नहीं मिला स्टाफ

स्मार्ट हलचल

शाहपुरा। पुलिस थाना क्षेत्र के उपतहसील मुख्यालय ढीकोला में कानून-व्यवस्था पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बीती रात अज्ञात चोरों ने जिस दुस्साहस के साथ 80 वर्षीय बुजुर्ग रामपाल चेचाणी के घर धावा बोला, उसने पूरे क्षेत्र को दहला दिया है। यह सिर्फ चोरी की कोशिश नहीं थी, बल्कि यह उस भयावह सच का आईना है जिसमें अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और सुरक्षा व्यवस्था मानो गहरी नींद में सोई हुई है। रात के सन्नाटे में चोर चोरी की नियत से रामपाल चेचाणी के मकान में घुसे। लेकिन जैसे ही घर के मालिक रामपाल चेचाणी की नींद खुली और उन्होंने शोर मचाना शुरू किया, चोरों ने मानवता की सारी सीमाएं लांघ दीं। आरोप है कि चोरों ने धारदार हथियार से 80 वर्षीय बुजुर्ग के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। लहूलुहान हालत में भी बुजुर्ग की आवाज गांव तक पहुंची और ग्रामीण तुरंत मौके पर जमा हो गए। इसके बाद पूरी रात ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्रों में चोरों का पीछा किया, तलाश अभियान चलाया, लेकिन चोर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। यह घटना सिर्फ एक परिवार पर हमला नहीं, बल्कि पूरे ढीकोला की सुरक्षा व्यवस्था पर जोरदार तमाचा है। सुबह होते-होते ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण और जनप्रतिनिधि पहले रामपाल चेचाणी के घर पहुंचे, हालात देखे और उसके बाद सीधे ढीकोला पुलिस चौकी पहुंचकर प्रदर्शन किया। लेकिन यहां जो दृश्य सामने आया, उसने लोगों के आक्रोश को और भड़का दिया—पुलिस चौकी पर कोई कार्मिक मौजूद नहीं मिला।

ग्रामीणों का आरोप है कि रात में चोरी और हमले की सूचना देने के बावजूद सुबह तक पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। सवाल यह है कि जब अपराधी गांव में खुलेआम हमला कर रहे हों, तब पुलिस आखिर है कहां? ग्रामीणों का कहना है कि ढीकोला जैसी बड़ी आबादी वाले क्षेत्र में लंबे समय से गश्त की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं है। चौकी में नियुक्त स्टाफ को भी अक्सर पुलिस थाने के अन्य कार्यों में लगा दिया जाता है, जिसके कारण चौकी लगभग खाली रहती है। परिणाम यह है कि ढीकोला आज अपराधियों के

लिए आसान निशाना बन चुका है। गांववालों का आक्रोश इसलिए भी बढ़ा हुआ है क्योंकि यह कोई पहली घटना नहीं है। आरोप है कि पिछले दो वर्षों में ढीकोला क्षेत्र में करीब 50 चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन आज तक एक भी मामले का खुलासा नहीं हुआ। यह आंकड़ा केवल संख्या नहीं, बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है। तीन दिन पहले ही ओमप्रकाश वैष्णव की बाइक चोरी हुई थी। ग्रामीणों ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में चोर बाइक ले जाते साफ दिखाई दे रहा है। फोटो और वीडियो पुलिस को सौंपे जा चुके हैं, लेकिन अब तक न मुकदमा दर्ज हुआ और न ही आरोपी गिरफ्तार हुए। यदि सीसीटीवी में चेहरा होने के बाद भी कार्रवाई नहीं होती, तो फिर आमजन न्याय की उम्मीद किससे करे? पूर्व सरपंच गणपत खटीक ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ढीकोला में पुलिस लंबे समय से उदासीन बनी हुई है। चोरी, मारपीट और अन्य अपराधों के बावजूद कार्रवाई का अभाव अपराधियों के हौसले बढ़ा रहा है।

कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मनीष नायक ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि कार्रवाई जानबूझकर नहीं की जा रही। उनका कहना है कि चौकी का पूरा जाब्ता थाने में लगा दिया गया है और ढीकोला को रामभरोसे छोड़ दिया गया है। उनका आरोप है कि पुलिस की निष्क्रियता ने गांव में अपराध और नशे के नेटवर्क को मजबूत किया है। दूसरी ओर भाजपा के विधानसभा संयोजक सुरेश भाट ने भी इस घटना को बेहद गंभीर बताते हुए कहा कि चोरी की वारदात ने ग्रामीणों को सदमे में डाल दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि ढीकोला में अवैध नशे का कारोबार तेजी से फैल रहा है। शराब, स्मैक और गांजे का बढ़ता जाल अपराधों की जड़ बनता जा रहा है। पुलिस को बार-बार सूचना देने के बावजूद कार्रवाई नहीं होना चिंताजनक है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में बढ़ते नशे के कारण अपराधियों की नई जमात तैयार हो रही है। शराबी, स्मैकिए और गांजेड़ी अब चोरी जैसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। जब नशा खुलेआम बिके और कानून मौन रहे, तब अपराध बढ़ना स्वाभाविक है। सबसे चिंताजनक आरोप यह भी है कि रात में फोन करने पर चौकी स्टाफ कॉल तक नहीं उठाता। कई जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सूचना देने के बावजूद पुलिस समय पर नहीं पहुंचती। यदि आपात स्थिति में भी पुलिस प्रतिक्रिया न दे, तो चौकी की उपयोगिता पर प्रश्न उठना लाजिमी है। ग्रामीणों ने मौके पर ही पुलिस अधीक्षक स्डुद्दड्डह्र 'ड्डठ्ठड्ड से फोन पर बात कर पूरे मामले की जानकारी दी। एसपी ने कार्रवाई का आश्वासन दिया है। लेकिन ग्रामीण अब केवल आश्वासन नहीं, परिणाम चाहते हैं। एसपी के आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन को दो दिन का अल्टीमेटम दिया है। चेतावनी साफ है—यदि चोरी की घटनाओं का खुलासा नहीं हुआ, गश्त व्यवस्था नहीं सुधरी और पुलिस चौकी सक्रिय नहीं हुई, तो ग्रामीण धरना, प्रदर्शन और रोड जाम करने को मजबूर होंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन और सरकार की होगी।

ढीकोला की यह घटना एक बड़ा सवाल छोड़ जाती है—क्या आम नागरिक अब अपनी सुरक्षा खुद करने को मजबूर है? जब बुजुर्ग भी अपने घर में सुरक्षित नहीं, जब चौकी खाली है, जब शिकायत पर कार्रवाई नहीं, तब व्यवस्था पर भरोसा कैसे कायम रहे?

कानून का डर अपराधियों में होना चाहिए, लेकिन ढीकोला की तस्वीर उलटी दिखाई दे रही है। यहां डर अब आम आदमी के मन में है और बेखौफ अपराधी रातों में घूम रहे हैं। यदि पुलिस अब भी नहीं चेती, तो यह सिर्फ ढीकोला का संकट नहीं रहेगा; यह पूरे क्षेत्र की कानून व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी साबित होगा। अब समय आ गया है कि प्रशासन कागजी आश्वासनों से आगे बढ़कर जमीनी कार्रवाई करे—वरना जनता का धैर्य जवाब देने में देर नहीं लगेगी।

शहरी सेवा शिविरों में 1,171 आवेदन प्राप्त, 1,020 मामलों का मौके पर निस्तारण

निगम आयुक्त चौधरी बोले— 'जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है नगर निगम

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। राज्य सरकार के निर्देशानुसार संचालित शहरी सेवा शिविर 2026 आमजन की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रहे हैं। नगर निगम क्षेत्र में आयोजित शिविरों के दौरान अब तक विभिन्न सेवाओं से संबंधित 1,171 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 1,020 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है।

नगर निगम आयुक्त हेमाराम चौधरी ने बताया कि शिविरों में पट्टों, नामांतरण, भवन मानचित्र, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, स्ट्रीट लाइट, सीवर मरम्मत, पीएम स्वनिधि सहित विभिन्न जनसेवाओं से जुड़े प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि निगम का प्रयास है कि नागरिकों को कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें और अधिकतम सेवाएं शिविर स्थल पर ही उपलब्ध कराई जाएं।

आयुक्त चौधरी ने बताया कि जन्म-मृत्यु एवं विवाह प्रमाण पत्रों से संबंधित सर्वाधिक 759 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 752 का निस्तारण किया जा चुका है। वहीं पट्टों से जुड़े 46 आवेदन, नामांतरण के 54 आवेदन, पीएम स्वनिधि के 64 आवेदन, स्ट्रीट लाइट लगाने के 23 तथा मरम्मत के 41 आवेदन, सीवर मरम्मत एवं सुधार के 33 आवेदन प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने कहा कि शिविरों के माध्यम से आमजन को राहत पहुंचाने के लिए निगम अधिकारी एवं कर्मचारी पूरी गंभीरता से कार्य कर रहे हैं। लंबित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं।

आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे शहरी सेवा शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपनी समस्याओं और आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविरों में पहुंचकर मौके पर ही समाधान प्राप्त करें। नगर निगम आगामी दिनों में भी इसी प्रकार जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए शिविरों का संचालन जारी रखेगा।

महेश नवमी शोभायात्रा में चंद्रशेखर आजाद नगर महिला मंडल द्वारा शिव परिवार की सजीव झांकी बनी आकर्षण का केंद्र

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

महेश नवमी पर्व के अवसर पर माहेश्वरी समाज द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा में चंद्रशेखर महिला मंडल द्वारा प्रस्तुत शिव परिवार की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति एवं धार्मिक भावनाओं से ओतप्रोत स्वरूप से शोभायात्रा में चार चांद लगा दिए।

मीडिया प्रभारी अंकित सोमानी ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्रीय महिला अध्यक्ष चंदा जागेटिया एवं सचिव ललित राठी के नेतृत्व में शिव परिवार की भव्य झांकी तैयार कर आकर्षक बग्गी में विराजित की गई। झांकी को देखने के लिए मार्गभर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती रही तथा सभी ने इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।

झांकी के निर्माण एवं संचालन में मीनल काबरा, शिल्पा बसेर, पार्वती पटवारी, अनीता बांगड़, रीना बाहेती, रेखा हेडा, राधा तोतला, कृष्णा जागेटिया सहित महिला मंडल की अनेक कार्यकर्ताओं का विशेष सहयोग रहा। सजीव झांकी में भगवान शिव के रूप में इशिता माहेश्वरी, माता पार्वती के रूप में अविका काबरा, भगवान गणेश के रूप में यशवी लड्ढा, रिद्धि-सिद्धि के रूप में खुशी एवं आस्था तथा भगवान कार्तिकेय के रूप में काव्या माहेश्वरी ने मनोहारी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक वैभव से सुसज्जित इस झांकी ने शोभायात्रा को भव्य एवं यादगार स्वरूप प्रदान किया।

ब्यावर में 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार': 100 किलो एक्सपायरी सामान नष्ट, 180 किलो गोवर्धन घी सीज

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' के तहत जिले में मिलावटखोरों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण जयपुर व जिला कलेक्टर ब्यावर श्रीमान कमल राम मीणा के निर्देशानुसार तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. संजय गहलोत के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा क्षेत्र के कई प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण किया गया।

इन प्रतिष्ठानों पर हुई कार्रवाई, लिए सैंपल:

खाद्य सुरक्षा जांच दल द्वारा कस्बे के शिवा किराणा स्टोर, बालाजी डेयरी, कान्ता एजेंसी, और जानकीदास-घीसुलाल का औचक

निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान टीम ने विभिन्न प्रतिष्ठानों से घी, तेल, दूध व मसालों के सैंपल लिए।

कान्ता एजेंसी पर मिली भारी अनियमितता, सामान नष्ट:

कार्रवाई के दौरान कान्ता एजेंसी पर बड़े स्तर पर लापरवाही सामने आई। टीम को मौके पर 100 किलो अवधि पार (श्व×श्चद्बह्म्4) पनीर, टोस्ट और चॉकलेट आदि सामग्रियां मिलीं, जिन्हें आमजन के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए मौके पर ही नष्ट करवाया गया। इसके साथ ही एजेंसी पर 'गोवर्धन घी' का सैंपल लिया गया और मिलावट की आशंका के चलते 180 किलो गोवर्धन घी को सीज कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, सभी सैंपलों को जांच के लिए अजमेर स्थित लैब में भिजवाया गया है, रिपोर्ट असंतोषजनक आने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अखबार में पैक भोजन से कैंसर का खतरा: डॉ. संजय गहलोत

सीएमएचओ डॉ. संजय गहलोत ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अखबार में पैक भोजन का उपयोग करने से बचें। अखबार की स्याही में हानिकारक रसायन और भारी धातुएं होती हैं, जिससे कैंसर, तंत्रिका तंत्र, किडनी और लिवर की गंभीर बीमारियां होने का खतरा रहता है। हमेशा फूड ग्रेड पैकिंग का ही इस्तेमाल करें।

आगामी दिनों में मंडियों और होटलों पर होगी कार्रवाई: नारायण सिंह

जांच दल में शामिल खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री नारायण सिंह ने मीडिया को बताया कि यह विशेष अभियान आगे भी जारी रहेगा। अगले चरण में होटलों, रेस्टोरेंट, मिठाई की दुकानों, कैफे, फल-सब्जी विक्रेताओं, मसाला व तेल मिलों सहित अनाज और सब्जी मंडी का निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है। खाद्य सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मोहर्रम पर निकला छड़ी-झंडे का जुलूस, ढोल-ताशों के साथ दिखा उत्साह

स्मार्ट हलचल|पुर

कस्बे के पुर उपनगर क्षेत्र में मोहर्रम के अवसर पर कौम-ए-हुसैन कमेटी एवं पठान समाज के तत्वावधान में लाइसेंसधारी ईदू पठान के नेतृत्व में छड़ी-झंडे की रस्म का जुलूस निकाला गया। जुलूस खेल मोहल्ले से प्रारंभ होकर कस्बे के मुख्य बाजारों से गुजरते हुए निर्धारित स्थान पर पहुंचा।

जुलूस में सैकड़ों युवक-युवतियों, बच्चों एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं ने ढोल, ताशे और नगाड़ों की थाप पर पारंपरिक अंदाज में मातमी जुलूस में सहभागिता निभाई। वहीं महिलाओं द्वारा हलीम तथा बच्चों के माध्यम

से राहगीरों और श्रद्धालुओं को शर्बत की छबील वितरित की गई। मोहर्रम के अवसर पर आयोजित इस जुलूस में आपसी भाईचारे, सौहार्द और धार्मिक आस्था का माहौल देखने को मिला। पूरे मार्ग पर श्रद्धालुओं की मौजूदगी रही तथा लोगों ने जुलूस का स्वागत कर मोहर्रम की परंपराओं का सम्मान किया।

जनकल्याण शिविर से पहले सड़क पर ग्रेवल डालने से ग्रामीणों में रोष

स्मार्ट हलचल| बनेड़ा

कासोरिया की पथवारी से जासोरिया मार्ग की बदहाल स्थिति को लेकर वर्षो से मांग कर रहे ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत प्रशासन पर केवल खानापूर्ति करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों का कहना है कि जनकल्याण शिविर में सड़क की समस्या उठने की संभावना को देखते हुए शिविर से एक दिन पूर्व मार्ग के कुछ हिस्सों में ग्रेवल डलवाकर औपचारिकता पूरी की गई है। ग्रामीण कुलदीप उपाध्याय ने बताया कि मार्ग पर बड़े-बड़े गड्ढों में सीमित मात्रा में ग्रेवल डाल देने से समस्या का स्थायी समाधान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सड़क का स्तर आसपास के खेतों से नीचे होने के कारण बरसात के दौरान पानी मार्ग पर भर जाता है, जिससे आवागमन प्रभावित होता है और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों के अनुसार जब तक सड़क को ऊंचा नहीं किया जाएगा, दोनों ओर समुचित जल निकासी की व्यवस्था नहीं होगी तथा पानी के बहाव में बाधा बन रहे अतिक्रमण नहीं हटाए जाएंगे, तब तक समस्या जस की तस बनी रहेगी।

गंगापुर में युवक का शव मिलने से सनसनी, हत्या की आशंका में ग्रामीणों का प्रदर्शन

स्मार्ट हलचल

गंगापुर। नगर के सहाड़ा चौराहे स्थित मेला मैदान के पास एक युवक का शव मिलने से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान भेरूलाल कुम्हार (34) पुत्र नानूराम कुम्हार, निवासी चीड़खेड़ा ग्राम पंचायत के कुम्हारिया खेड़ा के रूप में हुई है।

परिवार के अनुसार, भेरूलाल रविवार शाम को घर से निकले थे, लेकिन उनका शव मंगलवार सुबह मेला मैदान के पास मिला। मृतक के चार छोटे बच्चे अब अनाथ हो गए हैं। परिवार में एक भाई विकलांग है तथा पिता बुजुर्ग हैं। घर की कमाई

का एकमात्र सहारा भेरूलाल ही थे। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया और हत्या का आरोप लगाते हुए ग्रामीणों व समाज के लोगों के साथ मोर्चा निकाल लिया। परिजनों ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और निष्पक्ष जांच की मांग की। बुधवार सुबह ग्रामीणों ने उपखंड कार्यालय पहुंचकर उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने शव का मेडिकल बोर्ड से पुनः पोस्टमार्टम कराने, परिजनों को आर्थिक सहायता दिलाने और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग रखी। उपखंड अधिकारी विवेक गुर्जर ने परिजनों को आश्वासन दिया कि शव का मेडिकल बोर्ड से पुनः पोस्टमार्टम करवाया जाएगा तथा परिवार को आर्थिक मदद दिलाई जाएगी।

प्रशासन और पुलिस सक्रिय

इस मामले को लेकर एसडीएम विवेक गुर्जर, तहसीलदार वीरेंद्र सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बुद्धराज खटीक, पुलिस उपाधीक्षक सुदर्शन पालीवाल, थानाधिकारी लीलाधर मालवीय सहित कांग्रेस और भाजपा के स्थानीय नेताओं व पदाधिकारियों ने भी परिजनों को समझाइश दी। हत्या की आशंका को देखते हुए पुलिस ने एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। पूरे मामले की जांच थानाधिकारी लीलाधर मालवीय करेंगे।

हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में निकाला छड़ी मुबारक जुलूस

स्मार्ट हलचल|क़ाछोला

इस्लाम के पैगम्बर हजरत मोहम्मद (स. अ.) साहब के नवासे और हज़रत अली (अ.स.) के बेटे हजरत इमाम हसन हुसैन (अ. स.) और उनके 72 जानिसार साथियों की शहादत की याद में मुहर्रम माह की सातवीं तारीख को गुरुवार शाम को छड़ी मुबारक जलसा ढोल, ताशो की मातमी धुन के साथ निकाला गया। छड़ियों का जुलूस सदर बाजार स्तिथ जामा मस्जिद से शाम साढ़े नो बजे शुरू हुआ जो सदर बाजार, गोल चबूतरा, पुराना बाजार, पुराना थाना, सहित गली मोहल्ले से छड़ियों का जुलूस निकाला गया।लाइसेंस धारी हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी ने बताया कि मुहर्रम का सिलसिला मुहर्रम मास का चांद दिखने से शुरू होता है, जो मुहर्रम गुरुवार शाम को शहादत की रात व शुक्रवार दिन में ताजिया निकाले जाएंगे। छड़ी मुबारक जुलूस में सदर हाजी शरीफ मोहम्मद मंसूरी, कमालुद्दीन रंगरेज, हाजी रमजान अली बिसायती, रफीक मंसूरी, मोहम्मद यूनुस रँगरेज, हाजी मोहम्मद शाबिर रँगरेज, मुबारिक हुसैन मंसूरी, असलम मोहम्मद रँगरेज, मुबारिक रँगरेज, नूर मोहम्मद, महबूब, सरफु शाह, सहित आदि अकीदतमंद मौजूद थे।

रामेश्वरम में माहेश्वरी समाज का महासंगम, उमड़ा जनसैलाब

महेश नवमी महोत्सव में महाप्रसाद व्यवस्था बनी आकर्षण का केंद्र, समिति के योगदान की हुई सराहना

महाप्रसाद ग्रहण करने पहुंचे हजारों समाजजन, अन्न का सम्मान करते हुए 'झूठा नहीं छोड़ने' का दिया गया प्रेरक संदेश

स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा। श्री नगर माहेश्वरी सभा द्वारा महेश नवमी महोत्सव के अंतर्गत आयोजित माहेश्वरी समाज के विशाल महासंगम में शहर सहित जिलेभर से पहुंचे हजारों समाजजनों ने उत्साह और श्रद्धा के साथ भाग लिया। भगवान महेश की कृपा एवं आशीर्वाद के प्रतीक स्वरूप आयोजित महाप्रसाद कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता निभाई। महाप्रसाद के निर्माण से लेकर उसके परिवहन, वितरण एवं भोजन काउंटरों के सुचारू संचालन तक कैटरिंग समिति एवं कार्यकर्ताओं ने पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। इस दौरान समाज के वरिष्ठजनों एवं पदाधिकारियों ने समाज की एकजुटता, संस्कारों

और सेवा परंपरा को बनाए रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर, सामाजिक एकता और सेवा भाव का अनूठा संगम देखने को मिला। नगर सचिव सुरेश बिरला ने बताया की महासंगम में कृष्णगोपाल जाखेटिया रमेश बाहेती, कैलाश ईनानी, अरविन्द नामधरानी, दिलिप लाहोटी, सुभाष बाहेती, मनीश बहेडिया, दिलिप अखेराम तोषनीवाल, मनोहर अजमेरा, बालकृष्ण काबरा सहित भोजन निर्माण, भोजन परिवहन, भोजन काउंटर तथा कैटरिंग समिति के विभिन्न सदस्ययो व कई प्रदाधिकारीयो ने पूरे आयोजन के दौरान समन्वय स्थापित करते हुए व्यवस्थाओं को सफल बनाया। कोषाध्यक्ष गोपाल नरानीवाल व संगठन मंत्री प्रमोद डाड ने बताया की रामेश्वरम में माहेश्वरी समाज के भगवान शंकर के महाप्रसाद के महासंगम के अवसर पर झूठा नहीं छोड़ने का संदेश दिया 'इतना ही ले थाली में व्यर्थ न जाए नाली में'। समाजजनों ने इस संदेश का स्वागत करते हुए संकल्प लेते हुए बमुखी निभाया। महासंगम ने माहेश्वरी समाज की एकता, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को नई ऊर्जा प्रदान की। सह संयोजक केजी राठी व अर्चित मून्द्रडा ने बताया की महाप्रसाद कार्यक्रम में भोजन व्यवस्था की उत्कृष्ट तैयारियों और सफल संचालन ने सभी श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। भोजन निर्माण टीम ने स्वच्छता और गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुए स्वादिष्ट एवं सात्विक व्यंजनों की व्यवस्था की। वहीं भोजन परिवहन टीम ने निर्धारित समय पर विभिन्न स्थलों तक महाप्रसाद पहुंचाकर व्यवस्था को सुचारू बनाए रखा। भोजन काउंटरों पर कार्यरत समाजबंधुओं ने अनुशासित एवं व्यवस्थित तरीके से समाजजनो को प्रसाद वितरित किया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया। महोत्सव के समापन अवसर पर संयोजक अतुल राठी ने आयोजन की सफलता में योगदान देने वाले सभी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं, समाजबंधुओं एवं सहयोगियों का हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। राठी ने बताया की महेश नवमी महोत्सव केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कार और सेवा भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि समाज के सभी वर्गों के लोगों ने तन, मन और धन से सहयोग कर आयोजन को भव्य एवं यादगार बनाया। कार्यक्रमों के सफल संचालन में पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका, कार्यकर्ताओं की मेहनत तथा समाजजनों के उत्साहपूर्ण सहभागिता ने महोत्सव को विशेष स्वरूप प्रदान किया। मंच का संचालन सुरेश चन्द्र कचोलिया ने किया।

भारतीय सेना के वीर जवान राहुल मीणा का लाडपुरा में भव्य स्वागत

लाडपुरा में प्रशिक्षण लेकर लौटे अग्निवीर का किया स्वागत, निकाली तिरंगा यात्रा

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। कस्बे में बुधवार को शक्ति केन्द्र पर सैनिक के सम्मान में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। श्यामगढ़ पंचायत के फुलजी की खेड़ी गांव निवासी राहुल मीणा पिता सीताराम का बुधवार को भारतीय सेना के अग्निवीर की ट्रेनिंग कर लौटने पर ग्रामवासियों ने पुष्प वर्षा कर देशभक्ति गानों व तिरंगे झंडे के साथ स्वागत रैली का आयोजन किया गया। परिजनों से मिलने पर राहुल व परिजनों के खुशियों से आंसू छलक उठे। अग्नि वीर मीणा का सबसे पहले परिवार जनों व ग्रामीणों ने मांडलगढ़ बस स्टैंड पर स्वागत किया उसके बाद कस्बे में ढोल-नगाड़ो आतिशबाजी कर तिरंगा यात्रा निकालकर स्वागत किया। अग्निवीर राहुल मीणा आर्मी में 6 माह कि भारतीय सेना की कठोर ट्रेनिंग पूरी करके 24/06/2026 को पहली बार गांव आने पर लाडपुरा से गांव फुलजी खेड़ी तक वाहन रैली निकाली गई।

महेश नवमी पर निकली भव्य शोभायात्राओं का कांग्रेसजनों ने किया पुष्पवर्षा से स्वागत

पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से माहेश्वरी समाज को दी शुभकामनाएं, शिवलिंग पर माल्यार्पण कर की सुख-समृद्धि की कामना

स्मार्ट हलचल

निंबाहेड़ा। महेश नवमी के पावन पर्व पर माहेश्वरी समाज द्वारा निंबाहेड़ा नगर में निकाली गई भव्य शोभायात्राओं का राजस्थान सरकार के पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से कांग्रेसजनों ने पुष्पवर्षा कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर समाजजनों को महेश नवमी की शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में सुख, शांति, समृद्धि एवं आपसी सद्भाव की मंगलकामना की गई। मंगलवार सायंकाल माहेश्वरी समाज हाथी वाला मंदिर तथा माहेश्वरी समाज श्री हनुमान मंदिर, मोती बाजार से भगवान महेश की भव्य शोभायात्राएं नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई। शोभायात्राओं में भगवान महेश की आकर्षक झांकी, सुसज्जित रथ, धार्मिक ध्वज, भजन-कीर्तन एवं श्रद्धालुओं की उत्साहपूर्ण सहभागिता ने श्रद्धा और भक्ति का वातावरण निर्मित कर दिया। चित्तौड़ी दरवाजा स्थित पुराने अस्पताल के समीप कांग्रेसजनों ने शोभायात्राओं का पुष्पवर्षा कर भव्य स्वागत किया। शोभायात्राओं में शामिल माहेश्वरी समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं एवं बालक-बालिकाओं का अभिनंदन करते हुए महेश नवमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की गईं।

इस दौरान शोभायात्राओं में सुसज्जित रथ पर विराजित भगवान महेश के शिवलिंग स्वरूप पर पूर्व सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना की ओर से नगर पालिका निंबाहेड़ा के निवर्तमान अध्यक्ष सुभाष चन्द्र शारदा, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बंशीलाल रायवाल तथा जिला कांग्रेस कमेटी उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम झंवर ने माल्यार्पण कर श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने भगवान महेश से क्षेत्र में सुख-शांति, खुशहाली, सामाजिक समरसता तथा भाईचारे की भावना निरंतर बनी रहने की प्रार्थना की।

कार्यक्रम में नगर कांग्रेस कमेटी संगठन महासचिव रवि प्रकाश सोनी, विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष जसवंत सिंह आंजना, क्रेता व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल आंजना, चित्तौड़गढ़ जिला फुटबॉल संघ के उपाध्यक्ष हाजी जकी अहमद उर्फ गुड्डा भाई, कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग नगर अध्यक्ष मोहम्मद कुरैशी, जिला कांग्रेस कमेटी महासचिव नुसरत खान, नगर सेवादल मुख्य संगठक दिनेश गुप्ता, राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ नगर अध्यक्ष रोमी पोरवाल, जिला फुटबॉल संघ सचिव फैसल खान, स्थानीय निकाय विभाग जिला सचिव शांतिलाल लाड़ना, एनएसयूआई ब्लॉक अध्यक्ष भंवर सिंह शक्तावत, नगर अध्यक्ष राहुल सेन नगर कांग्रेस कमेटी महासचिव पंकज लड़ा, ओम प्रकाश शर्मा, समुन्द्र सिंह गुंडुसुर, दिग्वेंद्र प्रताप सिंह जादौन, आई टी सेल के सह संयोजक ललित पंचोली एवं पूर्व पार्षद महेश काबरा व रशीद खान, बाबू खान मेव, मुकेश जाट, गोविन्द गग्गड, संजय मोदी, कानजी किर, सुरेश मीणा, पुखराज पालेचा, प्रहलाद खटीक, आशुतोष टांक, हरि किशन माली, अनिल मीणा, सत्तार खान, छोगालाल मंगरौरा, कांग्रेस कार्यालय प्रभारी ज़ाकिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खरीफ की बुवाई के बाद बारिश की देरी से फव्वारा व सिंचाई में जुटे किसान

स्मार्ट हलचल

लाडपुरा। खरीफ की बुवाई के बाद बारिश न होना खेतों में दिक्कत है। खेतों में इस समय मूंगफली, बाजरा, मक्का, मूंग, उड़द की बुवाई हो चुकी है और फव्वारा व सिंचाई ही एकमात्र सहारा है। क्षेत्र में अभी मानसून कमजोर चल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5-7 दिन बारिश के चांस हैं। इस बार खरीफ की बुवाई के बाद मानसून ने देरी दे दी है। क्षेत्र में किसान अब खेतों में खुद फव्वारा व सिंचाई करने को मजबूर हैं। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर मानसून 2 जुलाई तक बना रह सकता है। फिलहाल तो किसानों के लिए ट्यूबवेल और कुआं ही सहारा हैं।

मानसून की कमी से खेतों में फसल नुकसान का खतरा

फसल को नुकसान का खतरा है,क्योंकि मानसून में कमी खरीफ की बुवाई को प्रभावित कर रही है। मानसून की कमजोर स्थिति दो जुलाई तक बने रहने की संभावना है, 'कुल मिलाकर, मानसून की बारिश में 43 प्रतिशत की कमी है। मौसम विभाग का अनुमान है कि कमजोर मानसून दो जुलाई तक जारी रहने की संभावना है।

नवयुवक की कार्यकारिणी गठित

स्मार्ट हलचल

सांगोद। मंगलवार को जगदीश भगवान के मंदिर पर श्री जगदीश भगवान प्रजापति नवयुवक मंडल सांगोद के तत्वाधान में मीटिंग का आयोजन हुआ जिसमें सर्वसहमति से नवयुवक नवीन कार्यकारिणी का निर्णय लिया गया।

जिसमें अध्यक्ष बलराम प्रजापति, कोषाध्यक्ष सतीश प्रजापति, सचिव सत्यनारायण पोटर, उपाध्यक्ष मनोज पोटर, सहसचिव भवानीशंकर प्रजापति, सहकोषाध्यक्ष सोनू प्रजापति, मंत्री दीपक प्रजापति, महामंत्री जितेन्द्र प्रजापति को बनाया गया समाज बंधुओं ने सभी कार्यकारिणी को माला पहनाकर स्वागत किया मीटिंग में सत्यनारायण प्रजापति, नरोत्तम प्रजापति, ओम प्रकाश प्रजापति, पवन प्रजापति,दीपक प्रजापति, सत्यनारायण प्रजापति (पप्पू) पार्षद महेन्द्र प्रजापति गोपाल प्रजापति अशोक प्रजापति, ब्रह्मानंद प्रजापति, मनीष प्रजापति, लोकेश कुमार, भरत प्रजापति बबलू प्रजापति समाज बन्धु उपस्थित रहे।

विद्युत निगमों में 2005 पदों पर भर्ती प्रारम्भः कनिष्ठ अभियंता के 869, न कनिष्ठ लेखाकार के 371 एवं कनिष्ठ सहायक के 765 पदों पर होगी भर्ती

विद्युत सुदृढ़ीकरण में आगे बढ़ते हुए भर्ती की जा रही है- ऊर्जा मन्त्री

स्मार्ट हलचल

सांगोद। राजस्थान राज्य विद्युत उत्पादन निगम ने प्रदेष के पांच विद्युत निगमों के लिए विभिन्न संवर्गों के कुल 2,005 पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। बिजली कम्पनियों में विभिन्न पदों यथा कनिष्ठ अभियन्ता (इलेक्ट्रिकल) के 727 पदों, कनिष्ठ अभियन्ता (मैकेनिकल) के 110 पदों, कनिष्ठ अभियन्ता (सिविल) के 32 पदों, कनिष्ठ लेखाकार के 371 पदों एवं कनिष्ठ सहायक/वाणिज्यिक सहायक-द्वितीय के 765 पदों (कुल 2,005) पर नई भर्ती के लिए विज्ञापन जारी किया है। उक्त पदों के लिए ऑनलाइन प्रक्रिया से आवेदन सम्बन्धी विस्तृत जानकारी जुलाई 2026 में जारी कर आनलाइन आवेदन भरे जावेंगे।

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने बताया कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार प्रदान करने और कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा जी द्वारा की गई बजट घोषणा के अनुरूप विद्युत निगमों में 2,005 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारम्भ की गई है। राज्य में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हुए ये नई सीधी भर्तियाँ की जा रही हैं।

ऊर्जा मंत्री श्री हीरा लाल नागर ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा की गई भर्ती सम्बन्धी घोषणाओं के अनुसरण में राज्य की पांचों विद्युत कम्पनियों (उत्पादन निगम, प्रसारण निगम, जयपुर/अजमेर/जोधपुर विद्युत वितरण निगम) के विभिन्न संवर्गों के पदों से जुड़ने हेतु इच्छुक योग्य अभ्यर्थियों से आवेदन मांगें गये हैं। योग्य अभ्यर्थी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से आवेदन कर सकेगें।

यह उल्लेखनीय है कि 02 दिन पूर्व 22 जून को ही तकनीषियन-तृतीय के 2,163 पदों पर भर्ती का अंतिम परिणाम जारी किया गया है जिनके नियुक्ति आदेष आज दिनांक 24 जून को जारी कर तुरन्त 2,005 रिक्तियों के लिये ये नई भर्ती प्रारम्भ की गई है। विज्ञापन के अनुसार उपरोक्त सभी पदों हेतु जुलाई, 2026 से निम्न में से किसी भी वेबसाईट पर जाकर लिंक के जरिए आवेदन किया जा सकता है।

बूंदी का 785वां स्थापना दिवस

गढ़ गणेश की पूजा-अर्चना के साथ हुआ कार्यक्रमों का शुभारंभ

स्मार्ट हलचल| बूंदी

छोटी काशी बूंदी के 785वें स्थापना दिवस पर जिला प्रशासन व पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को गढ़ गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर कार्यक्रमों की शुरुआत की गई। कार्यक्रम की शुरूआत में पंडित विश्वनाथ ने शहनाई की स्वर लहरियों के बीच वैदिक मंत्रोच्चार के साथ जिला कलक्टर हरफूल सिंह यादव व पूर्व राजपरिवार सदस्य वंशवर्धन सिंह से पूजा अर्चना करवाई।

इस अवसर पर जिला कलक्टर ने बूंदी स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि बूंदी शहर पर्यटन की असीम संभावनाएं समेटे हुए है। शहर को साफ और स्वच्छ बनाने में सभी अपना योगदान दें। पर्यटन और वाइल्ड लाइफ के क्षेत्र में बूंदी मील का पत्थर बने इसके लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

इस दौरान उपखंड अधिकारी बूंदी लक्ष्मीकांत मीणा, जिला खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह, पर्यटन अधिकारी प्रेमशंकर सैनी, इंटेक संयोजक राजकुमार दाधीच, पुरुषोत्तम पारीक, इंटेक के राजेन्द्र भारद्वाज, पीयूष पाचक, अशोक तलवास, जे.पी. त्रिपाठी, मनीष सिसोदिया गणमान्य लोगों ने सामूहिक आरती कर बूंदी की खुशहाली की कामना की।

युवाचार्य महेन्द्र ऋषिजी म.सा. का 25 जून को भव्य नगर प्रवेश

स्मार्ट हलचल | भीलवाड़ा

आगम रत्नाकर युवाचार्य परम पूज्य श्री महेन्द्र ऋषिजी म.सा. आदि ठाणा एवं साध्वीवृंद का गुरुवार, 25 जून को भीलवाड़ा में भव्य नगर प्रवेश होगा। आचार्य सम्राट की कृपा एवं आशीर्वाद से आयोजित इस मंगल अवसर को लेकर जैन समाज में उत्साह का माहौल है।

नगर प्रवेश यात्रा यश विहार से रूप रजत विहार होते हुए चन्द्रशेखर आजाद नगर तक पहुंचेगी। श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होकर संतों की अगवानी करेंगे। समाजजनों ने धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर नगर प्रवेश एवं मंगल विहार यात्रा को सफल बनाने का आह्वान किया है।

संतों के आगमन पर श्रद्धालु कोटि-कोटि नमन अर्पित करेंगे।

पांचना बांध का पानी 6 दिन में छोड़ने का आश्वासन, मंत्री किरोड़ी लाल मीणा के भरोसे पर खंडीप महापंचायत समाप्त

स्मार्ट हलचल| गंगापुर सिटी

वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के खंडीप में पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में छोड़े जाने की मांग को लेकर पिछले 20 दिनों से चल रही किसान महापंचायत बुधवार को कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। मंत्री ने 1 जुलाई तक नहरों में पानी पहुंचाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि तय समय में पानी नहीं आया तो वे स्वयं पांचना बांध पर किसानों के साथ धरना देंगे।

महापंचायत के अंतिम दिन हजारों किसान, महिलाएं, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि किसानों को खरीफ के साथ रबी फसल के लिए भी पानी उपलब्ध कराया जाएगा।

दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पांचना बांध का मुद्दा करीब 20 वर्षों से लंबित है और यह क्षेत्र की जनभावना से जुड़ा हुआ है। गंगापुर सिटी विधायक रामकेश मीणा ने किसानों को भरोसा दिलाया कि सभी जनप्रतिनिधि उनके साथ हैं। महवा विधायक राजेन्द्र मीणा, सपोटरा विधायक हंसराज मीणा, बामनवास विधायक इन्द्रा मीणा और जमवारामगढ़ विधायक महेन्द्र पाल मीणा ने भी किसानों की मांग का समर्थन करते हुए जल्द नहरों में पानी पहुंचाने की बात कही। वरिष्ठ किसान नेता भागचंद सैनी ने कहा कि किसानों के संघर्ष का परिणाम अब सामने आने की उम्मीद है। मंत्री के आश्वासन के बाद महापंचायत समिति ने आंदोलन समाप्त करने की घोषणा कर दी। अब किसानों की नजरें 1 जुलाई पर टिकी हैं।

औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर एवं बीआरयूपीवाई कार्यशाला में उद्योग विभाग की योजनाओं के अंतर्गत 1.07 करोड़ रुपये से अधिक के स्वीकृति पत्र वितरित

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र, भीलवाड़ा द्वारा औद्योगिक प्रोत्साहन शिविर का आयोजन किया गया। संयुक्त आयुक्त एवं महाप्रबंधक कमलेश कुमार मीना ने अवगत कराया कि ग्रामीण हाट, भीलवाड़ा में आयोजित जिला स्तरीय ' युवा संबल मेले' के अवसर पर शिविर का उद्देश्य युवाओं, उद्यमियों एवं स्वरोजगार स्थापित करने के इच्छुक व्यक्तियों को राज्य सरकार की उद्योग एवं उद्यमिता प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा उन्हें योजनाओं से लाभान्वित करना रहा।

शिविर में उद्योग विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम , प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना , डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना , राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 ,राजस्थान एमएसएमई नीति-2024, राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 तथा एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी)की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

शिविर के दौरान विभागीय योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना अंतर्गत 11 युवाओं को 4.90 लाख रुपये की मार्जिन मनी अनुदान ,विश्वकर्मा युवा उद्यमी प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत 5 उद्यमियों को 19.97 लाख रुपये की मार्जिन मनी अनुदान ,डॉ. भीमराव अम्बेडकर राजस्थान दलित आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना अंतर्गत 8 उद्यमियों को 42.57 लाख रुपये की मार्जिन मनी अनुदान ,एक जिला एक उत्पाद नीति के तहत 2 इकाइयों को लगभग 40 लाख रुपये की मार्जिन मनी अनुदान स्वीकृत की गई।

राजस्थान निर्यात प्रोत्साहन नीति-2024 के अंतर्गत एक इकाई को इसीजीसी प्रीमियम पुनर्भरण मद में 50 हजार रुपये का अनुदान स्वीकृत , राजस्थान निवेश प्रोत्साहन योजना-2024 अंतर्गत दो औद्योगिक इकाइयों को विद्युत शुल्क पुनर्भरण, ब्याज अनुदान, निवेश अनुदान, मंडी शुल्क पुनर्भरण एवं रोजगार सृजन अनुदान सहित विभिन्न प्रोत्साहन मदों के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए इसमें एक अनुमोदित इकाई को MSME Policy-2024 के तहत अतिरिक्त 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान का स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को कुल मिलाकर लगभग 1 करोड़ 7 लाख रुपये से अधिक राशि के स्वीकृति पत्र एवं अनुदान लाभ प्रदान किए गए। इससे जिले के उद्यमियों एवं नव उद्यम स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को स्वरोजगार एवं उद्योग स्थापना के लिए महत्वपूर्ण प्रोत्साहन प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर प्रकाश चन्द रेगर, जिला रोजगार अधिकारी मुकेश गुर्जर, रीको के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक निशांत कुमावत, जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र के जिला उद्योग एवं वाणिज्य अधिकारी चरण दास बैरवा एवं डिम्पल लक्षकार, हाथकरघा निरीक्षक नितेश जांगिड़ वरिष्ठ सहायक नारायण लाल दरोगा एवं रूपेंद्र सोनी सहित विभागीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

गांव के छात्र उमर खान ने शिक्षा के क्षेत्र में लहराया परचम

स्मार्ट हलचल|कोटा

सांगोद क्षेत्र के निवासी उमर खान ने शिक्षा के क्षेत्र में अपने क्षेत्र का नाम रोशन किया! कोटा जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद ने बताया कि बांगड़सी निवासी उमर खान ने अपने गाँव में खेती का कार्य करता है जो अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए कोटा में रहकर उनकी पढ़ाई करवा रहा है उसके बड़े पुत्र आकिब खान ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड परीक्षा परिणाम में 97. 2% अंक प्राप्त कर कोटा के जाने माने स्कूलों में बख्शी स्कूल का टॉपर रहा काकिम खान ने अपने माता पिता के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत कर अपने गाँव,गुरुजनों व स्कूल का नाम रोशन किया है टॉपर छात्र आकिब खान के पिता उमर खान ने बताया कि मेरे पुत्र के द्वारा बेहतरीन परीक्षा परिणाम प्राप्त कर अपने गाँव बंगडसी व अपने स्कूल बख्शीज स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल बोरखेड़ा कोटा में अध्ययन करते हुए केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड कॉमर्स में बेहतरीन परीक्षा परिणाम हासिल करने पर जिला देहात कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष असरार अहमद,मोहम्मद इखलास, जावेद खान व शाकिर खान ने आकिब खाना को सांगोद पहुंचने पर साफा बाँध वह फूल मालाएं पहनाकर वह मुंह मीठा कर उसको मुबारकबाद देकर स्वागत वह सम्मान किया।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा 2026 जिला कलेक्टर ने निकाली ऑनलाईन लॉटरी

भीलवाड़ा जिले से चुने गए 203 हवाई और 1659 रेल यात्री

स्मार्ट हलचल| भीलवाड़ा

देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2026 के चरणबद्ध क्रियान्वयन के अंतर्गत वित्त वर्ष 2026-27 हेतु तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाईन लॉटरी बुधवार को कलेक्ट्रेट में जिला कलक्टर श्री जसमीत सिंह संधू द्वारा निकाली गई। इस अवसर पर देवस्थान विभाग के सहायक आयुक्त गौरव सोनी द्वारा लॉटरी प्रक्रिया से अवगत करवाया गया। इसके पश्चात जिला कलक्टर द्वारा तीन डेमो पश्चात मुख्य लॉटरी के माध्यम से तीर्थ यात्रियों का चयन करने के लिये ऑनलाइन लॉटरी निकाली। उन्होंने बताया कि देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना 2026 के तहत भीलवाड़ा जिले से हवाई यात्रा के लिये 203 और रेल यात्रा के लिये 1659 इस प्रकार कुल 1862 यात्रियों का चयन किया गया है। इस अवसर पर एडीएम सिटी प्रतिभा देवठिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन,सीएमएचओ डॉ संजीव शर्मा एसीपी डीओआईटी नवनीत सोमानी, गौरव सोमानी सहित अन्य मौजूद रहे।

सहायक आयुक्त गौरव सोनी ने बताया कि इस बार प्रदेश के 50 हजार वरिष्ठ नागरिकों को रेल मार्ग और 6 हजार को वायु मार्ग से निर्धारित स्थलों पर यात्रा करवाई जाएगी जिसमे जिले के 1862 वरिष्ठ नागरिकों को इस योजना के तहत यात्रा करवाई जाएगी। जिसमे विभिन्न यात्राओं हेतु कार्यक्रम का निर्धारण आगामी दिनों मे किया जाकर वर्षभर यात्राएं करवाई जाएंगे।

तीर्थयात्रा के प्रमुख गंतव्य स्थलों में हरिद्वार-ऋषिकेश-आयोध्या-वाराणसी- सारनाथ, सम्मेदशिखर-पावापुरी- वाराणसी-सारनाथ, मथुरा-वृंदावन-बरसाना- आगरा-अयोध्या, द्वारकापुरी-नागेश्वर-सोमनाथ, तिरूपति-पद्मावति, कामाख्या-गुवाहाटी, गंगासागर- कोलकाता, जगन्नाथपुरी- कोणार्क, रामेश्वरम-मदुरई, वैष्णोदेवी- अमृतसर-वाघा बोर्डर, गोवा के मंदिर एवं अन्य स्थल चर्च आदि, महाकालेश्वर, उज्जैन-ओंकारेश्वर-त्रयम्बकेश्वर-घृष्णेश्वर- एलोरा, बिहार-शरीफ, श्री हूजुर साहिब, नांदेड़, महाराष्ट्र और पटना बिहार की यात्रा रेलमार्ग से करवाई जाएगी। वहीं हवाई जहाज द्वारा पशुपतिनाथ-काठमांडू (नेपाल) की यात्रा करवाई जाएगी। हवाई यात्रा में चयनित यात्रियों को नेपाल की विदेश यात्रा हेतु मूल वोटर कार्ड अथवा भारतीय पासपोर्ट अनिवार्य होगा।

ज्ञातव्य है कि प्रदेश के मूल निवासी वरिष्ठ नागरिकों (60 साल या अधिक आयु के व्यक्ति) को उनके जीवन काल में एक बार निर्धारित तीर्थ स्थानों में से किसी एक स्थान पर पूर्णतया निःशुल्क यात्रा करवाने की यह योजना वर्ष 2013 से चलाई जा रही है। वर्ष 2016 से इसमें हवाई यात्रा को सम्मिलित किया गया। गत वर्ष सभी वरिष्ठ नागरिकों को वातानुकूलित रेलगाड़ी में यात्रा करवाई गई। साथ ही आमजन से अपील कि है चूंकि यह योजना पूर्णतया निःशुल्क है, इसमें चयन हेतु किसी प्रकार का कोई शुल्क नही लिया जाता है अतः आमजन को आगाह किया जाता है कि किसी भी प्रकार के ठग आदि के झाँसे में नही आवें। किसी भी जानकारी के लिए देवस्थान विभाग के संभागीय कार्यलय , राज. लोक सेवा आयोग के सामने, अजमेर या ईमेल पर सम्पर्क किया जा सकता है।

गायत्री जयंती पर रक्तदान शिविर, युवाओं व महिलाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

स्मार्ट हलचल | बानसूर

कस्बें के रामबाग स्थित गायत्री शक्तिपीठ में गायत्री जयंती के अवसर पर बुधवार को स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सुबह से ही रक्तदाताओं का पंजीकरण शुरू हो गया था। चिकित्सकीय जांच के बाद सुरक्षित तरीके से रक्त संग्रह किया गया।आयोजकों ने बताया कि शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आमजन को रक्तदान के प्रति जागरूक करना है।

इस दौरान कई युवाओं ने पहली बार रक्तदान कर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई। गायत्री शक्तिपीठ के पदाधिकारियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए नियमित रक्तदान की अपील की।

विप्र प्रतिभाओं के सम्मान और प्रशासनिक सफलता के संकल्प का महाकुंभ 12 जुलाई को

स्मार्ट हलचल |उदयपुर

विप्र समाज की उदीयमान प्रतिभाओं के सम्मान एवं युवाओं को उच्च प्रशासनिक सेवाओं की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से आगामी 12 जुलाई 2026 को राष्ट्रीय तीर्थ, प्रताप गौरव केंद्र में आयोजित किया जाएगा। प्रतिभाओं के सम्मान समारोह एवं प्रशासनिक सेवा परीक्षा मार्गदर्शन सेमिनार की तैयारियों को लेकर विप्र फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक धर्मनारायण जोशी के निवास पर एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बैठक संपन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम को भव्य, सुव्यवस्थित एवं समाजोपयोगी स्वरूप प्रदान करने हेतु विभिन्न आयामों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए धर्मनारायण जोशी ने कहा कि समाज की मेधावी प्रतिभाओं का सम्मान केवल व्यक्तियों का अभिनंदन नहीं, अपितु संपूर्ण समाज की शैक्षणिक चेतना, संस्कार एवं उपलब्धियों का उत्सव है। उन्होंने कार्यक्रम को समाज के लिए प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन का एक सशक्त मंच बताते हुए सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से पूर्ण समर्पण एवं सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति सदस्य तथा प्रदेश शिक्षा, रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षा प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक डॉ. एच. आर. दवे ने कार्यक्रम की तैयारियों, अब तक किए गए प्रयासों तथा आगामी कार्ययोजना का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। उन्होंने जानकारी दी कि समाज की अधिकतम प्रतिभाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए शीघ्र ही विभिन्न श्रेणियों हेतु पृथक-पृथक गूगल पंजीयन प्रपत्र जारी किए जाएंगे। इन प्रपत्रों के माध्यम से शैक्षणिक क्षेत्र, खेल, कला, संस्कृति में राज्य अथवा राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपलब्धि अर्जित करने वाले विप्र प्रतिभाओं, व्यावसायिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों तथा राजस्थान में आईएएस, आईपीएस, आरएएस, आरपीएस, आरजेएस एवं अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित विप्र प्रतिभाओं का पंजीयन किया जाएगा। साथ ही प्रशासनिक सेवाओं एवं अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों के लिए भी पृथक पंजीयन व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे वे अनुभवी प्रशासनिक अधिकारियों, टॉपर्स एवं विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का लाभ प्राप्त कर सकें। विप्र फाउंडेशन जोन 1-ए उदयपुर के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र पालीवाल ने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु गठित विभिन्न समितियों की कार्यप्रणाली, दायित्व निर्धारण एवं समयबद्ध कार्ययोजना का विस्तृत खाका प्रस्तुत करते हुए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज की शैक्षणिक एवं बौद्धिक उन्नति की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव गणेश नागदा ने कार्यक्रम को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने, व्यापक जनजागरण अभियान संचालित करने, प्रेस एवं सोशल मीडिया के माध्यम से प्रभावी प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने तथा अधिकाधिक विद्यार्थियों एवं अभिभावकों की सहभागिता बढ़ाने संबंधी महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में आवासीय व्यवस्था समिति के प्रभारी दिनेश शुक्ला, कार्यक्रम संयोजक लोकेश पालीवाल, प्रिंट एवं पुरस्कार व्यवस्था प्रभारी नीरज नागदा सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने आयोजन को अभूतपूर्व सफलता प्रदान करने के लिए पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक के अंत में समाज के भामाशाहों, शिक्षाविदों, प्रशासनिक अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं विप्र बंधुओं से इस महत्त्वपूर्ण आयोजन में यथाशक्ति सहयोग प्रदान कर समाज की भावी पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया गया।

नाला निर्माण में अनियमितताओं पर ग्रामीणों का प्रदर्शन, निष्पक्ष जांच की मांग

स्मार्ट हलचल | बानसूर

निकटवर्ती ग्राम पंचायत चतरपुरा के वार्ड नंबर 8 में नाला निर्माण कार्य में अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन किया और पंचायत प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग उठाई। ग्रामीणों का आरोप है कि नाले का निर्माण तकनीकी मानकों के अनुसार नहीं किया गया। समतलीकरण और ढाल सही नहीं होने से बरसात का पानी ठीक से नहीं निकल पा रहा, जिससे कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने बताया कि नाले को कई जगह खुला छोड़ दिया गया है, जिससे बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और पशुओं के लिए हादसे का खतरा बना हुआ है। पूर्व हवलदार सुवा लाल रैगर ने निर्माण कार्य में गंभीर खामियां बताते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जल्द कार्रवाई नहीं होने पर उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा जाएगा।

भागीरथ जयंती पर ओड महासभा का प्रथम रक्तदान शिविर, 36 यूनिट रक्त संग्रहित

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

भागीरथ जयंती के अवसर पर ओड महासभा राजस्थान जिला चित्तौड़गढ़ द्वारा श्री सांवलियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में प्रथम रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में समाज के युवाओं एवं समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 36 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन ओड महासभा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष प्रेम ओड रामदेवरा के निर्देशानुसार जिला इकाई चित्तौड़गढ़ द्वारा किया गया। शिविर का शुभारंभ भागीरथ महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष नारूलाल ओड ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद मरीजों को नया जीवन मिलता है। समाज को ऐसे सेवा कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए। शिविर में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के युवाओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष श्यामलाल ओड, प्रदेश मंत्री मदनलाल ओड, कैलाश ओड, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य दुर्गेश ओड, किशन ओड, जयपाल ओड, मोतीलाल ओड, गोपाल ओड, गोविंद ओड, जगदीश ओड, राधेश्याम ओड, मुकेश ओड, विनोद, नानालाल, कन्हैयालाल, सुनील ओड, हीरालाल ओड, किरण ओड, देवीलाल ओड, रतन ओड, भेरू ओड, कमलेश ओड तथा सरपंच रामलाल ओड सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे। ओड महासभा जिला चित्तौड़गढ़ ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगकर्ताओं एवं चिकित्सालय प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी जनहित एवं समाजसेवा के ऐसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

दुग्ध समितियों ने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना में सरलीकरण की मांग उठाई

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

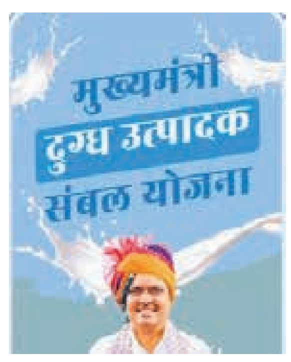

मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के तहत दुग्ध संकलन संबंधी ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि प्रक्रिया में आ रही व्यावहारिक समस्याओं को लेकर दुग्ध उत्पादक समितियों के प्रतिनिधियों ने जिला कलेक्टर एवं प्रशासक चित्तौड़गढ़ को ज्ञापन सौंपकर योजना में सरलीकरण की मांग की।

ज्ञापन में बताया गया कि चित्तौड़गढ़-प्रतापगढ़ दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ द्वारा दुग्ध समितियों को दुग्ध उत्पादकों के दूध संकलन की ऑनलाइन डेटा एंट्री प्रतिदिन करने के निर्देश दिए गए हैं। जबकि अधिकांश समितियों में दुग्ध उत्पादकों की संख्या अधिक होने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण प्रतिदिन डेटा अपलोड करना संभव नहीं हो पा रहा है।

प्रतिनिधियों ने बताया कि दुग्ध उत्पादकों को मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना के अंतर्गत नवंबर 2025 तक अनुदान राशि प्राप्त हुई थी, लेकिन फरवरी 2026 से लागू नई व्यवस्था के बाद ऑनलाइन डेटा प्रविष्टि में तकनीकी कठिनाइयों के चलते कई समितियों का डेटा समय पर अपलोड नहीं हो पा रहा है। इसके कारण पात्र दुग्ध उत्पादकों को योजना का लाभ एवं अनुदान राशि नहीं मिल पा रही है।

ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि योजना के अंतर्गत दैनिक डेटा एंट्री की बजाय मासिक डेटा एंट्री की व्यवस्था लागू की जाए तथा पूरी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए, जिससे दुग्ध समितियों और दुग्ध उत्पादकों को राहत मिल सके। ज्ञापन सौंपने वालों में रामचंद्र, जगदीश, जमनालाल, किशनलाल, भोपराज जाट, शांतिलाल, मोहनलाल, नारायणलाल, भगवानलाल, शंकरलाल, श्यामलाल, रोशनलाल, सुनील जाट, उमेश, भैरूलाल, बंशीलाल, प्रवीण, बाबूलाल शर्मा, रतनलाल जाट, रतन गुर्जर, सुशील कुमार, कैलाश, शिवलाल, प्रकाश नारायण सहित अनेक दुग्ध उत्पादक एवं समिति प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आनंदपाल सिंह सांवराद की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर, 74 यूनिट रक्त संग्रहित

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

श्री आनंद परिवार सेवा समिति चित्तौड़गढ़ द्वारा सर्व समाज के सहयोग से स्वर्गीय आनंदपाल सिंह सांवराद की 9वीं पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं एवं समाजजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 74 यूनिट रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया।

समिति से जुड़े सुरेंद्र सिंह गहलोत ने बताया कि रक्तदान शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। शिविर में भाजपा बांसवाड़ा जिला प्रभारी कमलेश पुरोहित, जिला महामंत्री हर्षवर्धन सिंह रूद, संगठन जिला महामंत्री नीतीश कुमार शर्मा, जिला संगठन मंत्री किशन सिंह पवार, कांग्रेस घोसुंडा मंडल अध्यक्ष दिनेशचंद्र शर्मा, जिला सचिव रफीक खान, महिला मोर्चा पदाधिकारी अलका कंवर चौहान, रेखा कंवर राणावत, खुशबू कंवर भाटी, सुमन कंवर तंवर, कृष्णा कंवर तंवर सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इसके अलावा श्री राष्ट्रीय चामुंडा सेना, चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा इकाइयों के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में युवाओं और समाजजनों ने भी शिविर में सहभागिता निभाई। रक्तदाताओं को प्रमाण-पत्र एवं सम्मान स्वरूप स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं, सहयोगकर्ताओं एवं चिकित्सकीय टीम का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे जनसेवा कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

होटल संचालक पर जमीन कब्जाने और उत्पीड़न का आरोप, कार्रवाई की मांग

स्मार्ट हलचल| चित्तौड़गढ़

उदयपुर-चित्तौड़गढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित एक होटल संचालक पर पड़ोसी काश्तकारों की भूमि पर कब्जे का प्रयास करने, फसलों को नुकसान पहुंचाने तथा परिवार को धमकाने के आरोप लगाते हुए राजस्थान क्षत्रिय कुमावत युवा शक्ति एवं ग्राम सरलाई के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं राजस्व मंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि सरलाई निवासी सत्यनारायण, दयाराम, प्रकाश, शंकरलाल, रतनलाल एवं रोशन कुमावत की पुश्तैनी कृषि भूमि से सटी होटल संपत्ति के संचालक द्वारा कथित रूप से दबाव बनाकर भूमि हथियाने का प्रयास किया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खेतों में खड़ी फल-सब्जियों की फसल को नुकसान पहुंचाया गया तथा परिवार को डराने-धमकाने की घटनाएं भी सामने आई हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि खेत में स्थित ट्यूबवेल को क्षतिग्रस्त कर दिया गया तथा उससे जुड़े उपकरण और सामग्री गायब कर दी गई, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था प्रभावित हुई है। मामले की शिकायत पुलिस में दर्ज कराई गई, जिसके बाद मौके के निरीक्षण में ट्यूबवेल क्षतिग्रस्त पाया गया। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि राजस्व विभाग की नापजोख में कथित रूप से 2 से 7 मीटर भूमि पर अतिक्रमण सामने आया है। ग्रामीणों का कहना है कि शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से प्रभावित परिवार भय और असुरक्षा की स्थिति में जीवन यापन कर रहा है। ग्रामीणों एवं समाज प्रतिनिधियों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने तथा प्रभावित परिवार को राहत प्रदान करने की मांग की है।

जिला प्रशासन के युवा संबल मेले में रोजगार, कौशल विकास और स्वरोजगार का संगम

युवा संबल मेले में 472 युवाओं का चयन, स्वरोजगार योजनाओं के तहत 1 करोड़ रुपये की स्वीकृतियां वितरित

स्मार्ट हलचल|भीलवाड़ा

जिला प्रशासन एवं जिला रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय युवा संबल मेले का आयोजन ग्रामीण हाट बाजार में किया गया। युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसरों से लाभान्वित करने के उद्देश्य से मेले में कुल 28 निजी क्षेत्र के नियोजकों द्वारा स्टॉल लगाई गई। मेले में लगभग 800 आशार्थियों ने भाग लिया एवं नियोजकों द्वारा 472 युवाओं का प्राथमिक चयन कर रोजगार के अवसर प्रदान किये गये। शिविर में राजकीय स्वरोजगार योजनाओं एवं प्रशिक्षुता व कौशल विकास के अवसरों में समन्वय कर इनकी 12 विभागीय स्टाल लगाई गई। मेलें में विभिन्न राजकीय स्वरोजगार योजनाओं के 30 लाभान्वितों को लगभग 1 करोड़ रू के चैक राशि/स्वीकृतियॉ जारी की गई है। आरएसएलडीसी द्वारा कौशल विकास योजना समर्थ योजना के 15 लाभार्थियों को प्रशिक्षण उपरान्त प्रमाण पत्र दिये गये।

जिला रोजगार कार्यालय उप निदेशक मुकेश गुर्जर ने बताया कि शिविर में प्रमुख निजी नियोजक नितिन स्पिनर्स, संगम इंडिया, कंचन इंडिया, कनेरिया एनर्जी, यश कम्युनिकेशन एवं एल एण्ड टी अहमदाबाद जैसे प्रमुख नियोजको द्वारा स्टॉल लगाई गई। युवा संबल मेले में अतिरिक्त जिला कलक्टर श्री प्रकाश चन्द्र रेगर द्वारा लाभार्थियों को चैक राशि एवं प्रमाण पत्र वितरित किये गये।

बड़ोदिया में कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियां तेज, महिला मंडल ने संभाली धार्मिक आयोजनों की कमान

स्मार्ट हलचल | बड़ोदिया (बांसवाड़ा)

श्री विश्वकर्मा मंदिर, बड़ोदिया में 26 एवं 27 जून को आयोजित होने वाले भव्य श्री विष्णुयज्ञ एवं कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने के लिए बुधवार को मंदिर परिसर में महिला मंडल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि महोत्सव से पूर्व प्रतिदिन सायंकाल मंदिर परिसर में महिलाओं द्वारा भजन-कीर्तन एवं धार्मिक मंगलगान किए जाएंगे, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय वातावरण का निर्माण हो सके। साथ ही गुरुवार को पारंपरिक हल्दी-मेहंदी रस्म का आयोजन भी किया जाएगा, जिसमें समाज की महिलाएं उत्साहपूर्वक भाग लेंगी।

महिला मंडल की सदस्यों ने कहा कि कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाज की एकता, संस्कृति और आस्था का महापर्व है। ऐसे आयोजनों में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से धार्मिक परंपराओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है।

बैठक में महोत्सव के दौरान स्वागत, पूजन, प्रसाद वितरण तथा अन्य व्यवस्थाओं में महिलाओं की सहभागिता को लेकर भी चर्चा की गई। उपस्थित महिलाओं ने आयोजन को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया। बैठक में शांता देवी, कमला देवी, कांता देवी, मंजुला देवी सहित महिला मंडल की सभी सदस्य उपस्थित रहीं। इस दौरान महोत्सव की तैयारियों को लेकर उत्साह और श्रद्धा का माहौल देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि समस्त गुजराती मेवाड़ा सुथार समाज एवं श्री विश्वकर्मा सेवा संस्थान, बड़ोदिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस दो दिवसीय महोत्सव में श्री विष्णुयज्ञ, कीर्ति स्तंभ प्रतिष्ठा, संगीतमय सुंदरकांड, महाआरती एवं महाप्रसाद सहित विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

साबी नदी में प्रस्तावित सीवरेज प्लांट का कांग्रेस ने किया विरोध

स्मार्ट हलचल | बानसूर

क्षेत्र के बानसूर-कोटपुतली सीमा पर साबी नदी क्षेत्र में प्रस्तावित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट को लेकर विरोध के स्वर तेज होने लगे हैं।बुधवार को पूर्व मंत्री शकुंतला रावत ने कोटपुतली-बहरोड़ जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर परियोजना पर पुनर्विचार करने की मांग की। पूर्व मंत्री शकुंतला रावत ने कहा कि सरकार द्वारा बानसूर-कोटपुतली सीमा पर साबी नदी के किनारे सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव है, जबकि साबी नदी क्षेत्र के लोगों के लिए महत्वपूर्ण जल स्रोत है। इसी नदी से बानसूर, कोटपुतली और मुंडावर क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति की जाती है तथा हजारों किसान सिंचाई के लिए भी इस जल पर निर्भर हैं। उन्होंने आशंका जताई कि यदि नदी के समीप सीवरेज प्लांट स्थापित किया गया तो जल स्रोत के दूषित होने का खतरा बढ़ जाएगा, जिसका सीधा असर लोगों के स्वास्थ्य और कृषि पर पड़ेगा। उनका कहना था कि साबी नदी के आसपास घनी आबादी वाले कई गांव स्थित हैं, जहां के लोगों को पीने और खेती के लिए दूषित पानी मिलने की आशंका है।

सूरौठ क्षेत्र से जयकारों के साथ खंडीप महापंचायत के लिए रवाना हुए हजारों लोग, वाहन रैली निकाली

स्मार्ट हलचल |सूरौठ

पांचना बांध का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में खोलने की मांग को लेकर वजीरपुर तहसील के गांव खंडीप में चल रही महापंचायत में भाग लेने के लिए सूरौठ क्षेत्र के हजारों लोग बुधवार को जयकारों के साथ रवाना हुए। सूरौठ, भुकरावली, ताहरपुर, धाधरैन आदि गांवों के किसानों ने कस्बा सूरौठ से खंडीप तक वाहन रैली निकाली। इस दौरान लोगों ने नारेबाजी की तथा सरकार से पांचना का पानी कमांड क्षेत्र की नहरों में अविलंब छोड़ने की मांग की।

सूरौठ, भुकरावली, धाधरैन, ताहरपुर आदि गांवों के हजारों की संख्या में मीणा समाज के लोग एवं किसान यहां बस स्टैंड के पास एकत्रित हुए तथा बस, जीप, ट्रैक्टर, कार व अन्य वाहनों से खंडीप में चल रही महापंचायत एवं महापड़ाव के लिए रवाना हुए। इस दौरान लोगों ने मीन भगवान, बूढ़ंदे बाबा एवं किसान एकता जिंदाबाद के नारे लगाए। वाहन रैली सूरौठ से शुरू हुई तथा हिंडौन, कांचरौली, खेड़ा जमालपुर, कटकड, मेडी होते हुए खंडीप महापंचायत में पहूंची। रास्ते में वाहन रैली पर किसानों ने पुष्प वर्षा की। वाहन रैली में हजारों की संख्या में पुरुष एवं महिलाएं शामिल हुई। रैली के दौरान महिलाओं एवं किसानों ने डीजे की धुन पर नृत्य किया। वाहन रैली में लोगों ने तिरंगा एवं किसान एकता के बैनर लगाए। खंडीप में चल रही किसान महापंचायत में सूरौठ मीणा समाज की ओर से एक लाख ग्यारह हजार रुपए की सहयोग राशि संघर्ष समिति को भेंट की गई। इसी तरह भुकरावली मीणा समाज ने एक लाख ग्यारह हजार रुपए एवं धाधरैन मीणा समाज ने एक लाख रुपए की सहयोग राशि भेंट की। गांव भुकरावली निवासी पूर्व प्रधान शिवराज मीणा की ओर से एक लाख रुपए की सहयोग राशि खंडीप महापंचायत में भेंट की गई।

बानसूर में अवैध और ओवरलोड वाहनों पर आरटीओ की सख्ती

स्मार्ट हलचल |बानसूर

क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित और ओवरलोड वाहनों पर शिकंजा कसने के लिए अलवर आरटीओ विभाग ने विशेष जांच अभियान शुरू किया है। यातायात इंस्पेक्टर लक्ष्मीनारायण ने बताया कि यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा सभी प्रकार के वाहनों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी क्रम में ओवरलोड वाहनों और अवैध रूप से संचालित वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है। अभियान के दौरान वाहनों को रोककर उनकी तलाशी ली जा रही है तथा परमिट, दस्तावेज और अन्य आवश्यक जानकारियों की जांच की जा रही है।

निरीक्षण के दौरान दिल्ली से लौट रही एक बस को भी रोककर जांच की गई। यातायात इंस्पेक्टर ने बताया कि बस की प्रारंभिक जांच में सब कुछ सही पाया गया, हालांकि उसके परमिट और अन्य दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी ली जा रही है।

ब्यावर में गूंजी कांग्रेस की 'छात्रों की गूंज', पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ उमड़ा जनसैलाब

सड़क से संसद तक युवाओं की लड़ाई लड़ेगी कांग्रेस: किशोर चौधरी

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार, प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा के मार्गदर्शन व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा उठाए जा रहे युवा मुद्दों के समर्थन में आज ब्यावर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शिक्षा एवं रोजगार के संकट के खिलाफ 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत एक विशाल जिला स्तरीय कार्यक्रम और प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। स्थानीय केसरीनन्दन गार्डन (सतपुलिया) में आयोजित इस महारैली और संवाद कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष किशोर चौधरी ने किया। कार्यक्रम में पेपर लीक माफियाओं की सांठगांठ, भर्ती परीक्षाओं में देरी और बढ़ती बेरोजगारी के खिलाफ युवाओं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं का जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला।

डिजिटल स्क्रीन पर गूंजा राहुल गांधी का संदेश

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में आधुनिक डिस्प्ले प्रोजेक्टर व उन्नत ध्वनि व्यवस्था के माध्यम से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा कोटा छात्र सम्मेलन में दिए गए संदेश का वीडियो प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष किशोर चौधरी ने कहा कि देश का युवा आज अपने भविष्य को लेकर अंधकार में है। पेपर लीक युवाओं की मेहनत पर पानी फेर रहे हैं। कांग्रेस इन मुद्दों को सड़क से संसद तक लड़ेगी। पूर्व विधायक व प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश पारीक ने केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि रोजगार के बड़े-बड़े वादे खोखले साबित हुए हैं, अब समयबद्ध भर्ती गारंटी कानून बेहद जरूरी है।

युवाओं के हक की इस आवाज में ब्यावर विधानसभा प्रत्याशी पारसमल जैन, भिनाय ब्लॉक अध्यक्ष गिरधारी गुर्जर, मसूदा ब्लॉक अध्यक्ष सलीम बाबू, जैतारण ब्लॉक अध्यक्ष नरेश मेहरा, जवाजा ब्लॉक अध्यक्ष धरमसिंह भाटी, विजयनगर अध्यक्ष अंकित तातेड़, आसींद शहर अध्यक्ष मक़सूर अहमद, नगर अध्यक्ष भरत बाघमार तथा मसूदा शहर अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह राठौड़ ने पूरी ताकत से अपनी बात रखी।

संगठन को मजबूती देने के लिए जिला उपाध्यक्ष मेघराज बोहरा, रासा सिंह रावत, दयाल राम गुर्जर, महेंद्र चौहान, देवेंद्र सिंह जोधा, शांति डाबला एवं विमल रांका सहित जिला महासचिव तरुण कच्छवा, पिस्ता मेगारिक, सद्दाम काठात, बशीर मोहम्मद व संपत गुर्जर ने भी कार्यक्रम में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। इसके साथ ही जिला सचिव मुर्तजा कुरैशी, आलम काठात, यशपाल जाट, जफर हुसैन, जिला प्रवक्ता सोहन मेवाड़ा, अल्पसंख्यक विभाग जिला अध्यक्ष अजमत काठात, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जयदीप रावत, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष इशिका जैन, ओबीसी विभाग जिला अध्यक्ष कैलाश गहलोत, मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर शर्मा, मनीष सामरिया तथा अल्पसंख्यक ब्लॉक अध्यक्ष साबिर काठात सहित सभी अग्रिम संगठनों (युवा कांग्रेस, सेवा दल) के पदाधिकारियों ने एकजुटता दिखाकर कार्यक्रम को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाया।

कांग्रेस की केंद्र सरकार से 7 प्रमुख मांगें:

राष्ट्रीय परीक्षा सुरक्षा कानून: पेपर लीक करने वालों को न्यूनतम 10 वर्ष की सजा हो और यह गैर-जमानती अपराध बने। समयबद्ध भर्ती गारंटी: विज्ञप्ति से लेकर नियुक्ति तक की प्रक्रिया अधिकतम 12 महीने में पूरी हो। राष्ट्रीय रोजगार मिशन: रेलवे, रक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग के सभी रिक्त पद 1 वर्ष में भरे जाएं। अप्रेंटिसशिप गारंटी: हर स्नातक और डिप्लोमा धारी को सम्मानजनक मासिक मानदेय के साथ काम मिले। किफायती शिक्षा: सरकारी कॉलेजों को मजबूत कर फीस में राहत और छात्रवृत्ति का विस्तार हो। एकीकृत परीक्षा कैलेंडर: साल की शुरुआत में ही परीक्षाओं और परिणामों की तिथि निश्चित हो। संवैधानिक युवा आयोग: युवाओं की समस्याओं के समाधान के लिए एक पावरफुल युवा आयोग का गठन किया जाए।

कार्यक्रम के समापन पर ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट अजय शर्मा ने सभी आगंतुकों, छात्रों और मीडियाकर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए संकल्प लिया कि युवाओं के हक की यह गूंज थमने वाली नहीं है।

मोहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित, व्यवस्थाओं पर चर्चा

स्मार्ट हलचल

सावर(अजमेर)। जिला कलेक्टर अजमेर एवं जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार सावर पुलिस थाना परिसर में आगामी मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कार्यवाहक उपखंड अधिकारी भगवती प्रसाद वैष्णव ने की, जबकि थाना प्रभारी बनवारी लाल मीणा मौजूद रहे।

बैठक में मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आवश्यक व्यवस्थाओं को लेकर शांति समिति के सदस्यों से विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों ने ताजिया जुलूस के निर्धारित मार्गों का अवलोकन कर रास्ते में आने वाले संभावित अवरोधों को समय रहते हटाने के निर्देश दिए। साथ ही जुलूस मार्ग पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए विद्युत विभाग के कार्मिकों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

अधिकारियों ने सभी समुदायों के लोगों से आपसी भाईचारे, सद्भाव और सहयोग की भावना बनाए रखते हुए त्योहार मनाने की अपील की। बैठक में शांति समिति के सदस्य अशोक गंदेरिया, रंगलाल भील, शब्बीर मोहम्मद, इकबाल मोहम्मद, बीसायती, रफीक मोहम्मद, लक्ष्मी नारायण मालावत, आदित्य योगी सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थत रहे।

अभा हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक पलाड़ा का जन्मदिवस मनाया

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय संरक्षक एवं वरिष्ठ समाजसेवी भँवर सिंह पलाड़ा के जन्मदिवस के अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने अजमेर पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस दौरान सभी ने उन्हें मेवाड़ी पगड़ी एवं भगवा दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया।

इस गरिमामय अवसर पर अखिल भारत हिंदू क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेश पालीवाल एवं प्रदेश अध्यक्ष गणपत सिंह दुलावत ने श्री पलाड़ा का अभिनंदन करते हुए उनके दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं यशस्वी जीवन की कामना की। राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद सोनी ने कहा कि श्री पलाड़ा वर्षों से जनसेवा और राष्ट्रवादी विचारधारा को मजबूत कर रहे हैं। उनका अनुभव ही संगठन की सबसे बड़ी पूंजी है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगेश पालीवाल ने उनके सरल और सहज व्यक्तित्व की सराहना करते हुए कहा कि वे सदैव कार्यकर्ताओं को परिवार का सदस्य मानकर मार्गदर्शन करते हैं। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष गणपत सिंह दुलावत ने विश्वास जताया कि श्री पलाड़ा के स्नेह और नेतृत्व में संगठन प्रदेश व देश भर में सामाजिक कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेगा।

कार्यक्रम के दौरान संगठन के सभी मुख्य चेहरों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाएं अर्पित कीं और जोरदार नारों के साथ राष्ट्रीय संरक्षक का स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित रहे: आनंद सोनी (राष्ट्रीय अध्यक्ष),योगेश पालीवाल (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष),गणपत सिंह दुलावत (प्रदेश अध्यक्ष),मनीष पालीवाल (प्रदेश प्रभारी),पवन टांक,पवन राणा,धनपत सिंह

संगठनात्मक एकता का संकल्प

कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, आत्मीयता और संगठनात्मक एकता से परिपूर्ण रहा। अंत में मनीष पालीवाल, पवन टांक, पवन राणा और धनपत सिंह सहित उपस्थित सभी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने संकल्प व्यक्त किया कि वे राष्ट्रीय संरक्षक भँवर सिंह पलाड़ा के मार्गदर्शन में संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएंगे। सभी ने एक स्वर में ईश्वर से उनके सुखी और दीर्घ जीवन की प्रार्थना की।

नाकाबंदी के दौरान 17.5 किलो चांदी, 350 ग्राम सोना और 2.32 लाख नकद जब्त, कार भी सीज

जसवंतपुरा टोल प्लाजा पर बार थाना पुलिस को मिली बड़ी सफलता; भीलवाड़ा का एक युवक हिरासत में

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। अजमेर रेंज आईजी राजेंद्र सिंह और ब्यावर जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह के निर्देशानुसार अपराध और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बार थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। जसवंतपुरा टोल प्लाजा पर 'ए' श्रेणी की नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक कार से भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात और लाखों रुपए की नकदी जब्त की है।

बार थानाधिकारी (पुलिस निरीक्षक) समजिदा बानू ने बताया कि दिनांक 22 जून 2026 को पुलिस टीम के साथ जसवंतपुरा टोल प्लाजा पर विशेष नाकाबंदी की जा रही थी। इसी दौरान भीलवाड़ा की तरफ से आ रही एक संदिग्ध कार को रुकवाकर तलाशी ली गई। कार की पिछली सीट पर दो काले और एक सफेद रंग का बैग रखा हुआ था। जब कार सवार युवक से बैग के बारे में पूछताछ की गई, तो उसने उसमें सोने-चांदी के जेवरात और नकदी होने की बात कबूली।

पूछताछ में कार सवार ने अपना नाम कमलेश कुमार सोनी (31) पुत्र महावीर प्रसाद, निवासी संग्रामगढ़ (शंभूगढ़, भीलवाड़ा) बताया। जब पुलिस ने बैग में मिले जेवरातों और नकदी के वैध बिल या दस्तावेज मांगे, तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

क्या-क्या हुआ जब्त?

दस्तावेज न होने और संज्ञेय अपराध से जुड़ी संपत्ति होने के संदेह में पुलिस ने धारा 106 बीएनएसएस के तहत निम्नलिखित सामग्री जब्त की: चांदी के जेवरात: 17 किलोग्राम 480 ग्राम, सोने के जेवरात: 350 ग्राम, नकद राशि: 2,32,500, इसके साथ ही कार के कागजात भी मौके पर नहीं मिलने के कारण कार को धारा 207 एमवी एक्ट के तहत सीज कर पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में थानाधिकारी समजिदा बानू के साथ कांस्टेबल राजूराम (713), बीरबल (446), रामप्रसाद (711) और सुखदेव (669) शामिल रहे। यह पूरी कार्रवाई एएसपी डॉ. अनुकृति उज्जैनिया और मसूदा वृत्ताधिकारी शिवराज सिंह के सुपरविजन में की गई। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

ब्यावर नगर परिषद के कनिष्ठ अभियंता अंजुम अली अंसारी निलंबित,

क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर ले-आउट पास करने का आरोप

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। ब्यावर नगर परिषद में नियमविरुद्ध कार्य करने और अपने क्षेत्राधिकार से बाहर जाकर फैसले लेने के मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर परिषद ब्यावर में कार्यरत कनिष्ठ अभियन्ता श्री अंजुम अली अंसारी को तुरंत प्रभाव से निलंबित (सस्पेंड) कर दिया गया है। अंसारी पर आरोप है कि उन्होंने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए नियमविरुद्ध और अनियमित रूप से ले-आउट प्लान पास किए हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।

निलंबन काल में जयपुर रहेगा मुख्यालय

स्वायत्त शासन विभाग द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, यह कार्रवाई राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवम् अपील) नियम,

1958 के नियम 13 (1) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए की गई है। निलंबन अवधि के दौरान कनिष्ठ अभियंता अंजुम अली अंसारी का मुख्यालय निदेशालय, स्थानीय निकाय विभाग जयपुर तय किया गया है।

ब्यावर नगर परिषद देगा जीवन निर्वाह भत्ता

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निलंबन काल के दौरान नियमानुसार देय जीवन निर्वाह भत्ते का भुगतान नगर परिषद ब्यावर द्वारा ही किया जाएगा। इस बड़ी कार्रवाई के बाद से नगर परिषद महकमे और भू-कारोबारियों के बीच हड़कंप मचा हुआ है। मामले की आगामी जांच अब निदेशालय स्तर पर की जाएगी।

ब्यावर में 'ऑपरेशन लक्ष्मण रेखा' का शंखनाद: शिक्षण संस्थाओं के 500 मीटर के दायरे में अब नहीं दिखेगा नशा

एएनटीएफ और पुलिस की संयुक्त पहल; केंद्रीय विद्यालय से हुई शुरुआत, स्कूल-कॉलेजों के बाहर बनेंगे 'नो ड्रग्स जोन'

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। नशामुक्त समाज की स्थापना और युवा पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने के लिए एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ब्यावर जिले में एक बड़ी मुहिम का आगाज किया है। अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम. एन. और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के महानिरीक्षक विकास कुमार के विशेष दिशा-निर्देशों के तहत बुधवार को केंद्रीय विद्यालय ब्यावर में 'ऑपरेशन लक्ष्मण रेखा' का भव्य शुभारंभ किया गया।

क्या है 'ऑपरेशन लक्ष्मण रेखा'?

जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है, इस अभियान के तहत जिले की समस्त शैक्षणिक संस्थाओं के आसपास एक

सुरक्षा कवच यानी 'लक्ष्मण रेखा' खींची जाएगी। स्कूलों और कॉलेजों के 500 मीटर के दायरे को पूरी तरह 'नो ड्रग्स जोन' के रूप में चिन्हित कर ड्रग्स फ्री केंद्र बनाया जाना प्रस्तावित है।

विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

कार्यक्रम के दौरान एएनटीएफ पाली के उपनिरीक्षक (उ.नि.) सूरजभान सिंह मय स्टाफ और साकेत नगर थाने के पुलिस स्टाफ ने विद्यार्थियों और शिक्षकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराया। अधिकारियों ने बताया कि नशा किस तरह सामाजिक, शारीरिक और देश को आर्थिक रूप से नुकसान पहुँचा रहा है।

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने एक सुर में प्रशासन के इस अभियान को गांव-गांव और ढाणी-ढाणी तक पहुंचाने तथा जिले को पूरी तरह नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया।

ग्राउंड लेवल पर एक्शन: तैनात होंगे वालंटियर्स, रखी गई शिकायत पेटी

इस अभियान को सिर्फ भाषणों तक सीमित न रखकर धरातल पर उतारने के लिए कार्यक्रम समाप्ति पर एएनटीएफ चौकी प्रभारी के सहयोग से विद्यालय परिसर में एक शिकायत पेटी रखवाई गई। इसके साथ ही संस्थान के शिक्षकों और विद्यार्थियों ने स्वेच्छा से आगे आकर इस मुहिम में स्वयंसेवक बनने की सहमति दी, जिन्हें मौके पर ही नामित किया गया। ये स्वयंसेवक अपने संस्थान के आसपास नशामुक्त माहौल बनाए रखने में पुलिस की मदद करेंगे।

'यदि कहीं भी अवैध मादक पदार्थों का कारोबार या तस्करी हो रही है, तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस और एएनटीएफ टीम को दें। समाज के हर वर्ग को जागरूक कर ही हम एक जिम्मेदार नागरिक का फर्ज निभा सकते हैं।'

— सूरजभान सिंह, उपनिरीक्षक, एएनटीएफ

जोधपुरिया भगवान देवनारायण जी के मंदिर पहुंची राज्यसभा सांसद अलका गुर्जर

स्मार्ट हलचल

निवाई-जोधपुरिया। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री एवं नवनियुक्त राज्यसभा सांसद अलका गुर्जर ने मंगलवार सांय निवाई उपखंड जोधपुरिया भगवान देवनारायण जी के मंदिर पहुंचकर मत्था टेका और क्षेत्र में अमन-चैन व खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर भाजपा टोंक के जिला प्रभारी जितेंद्र शर्मा, सह प्रभारी रामानंद गुर्जर, शिवजी रामजी चौधरी, पूर्व ट्रस्ट अध्यक्ष सुरज्ञान सिंह गुर्जर, ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश गुर्जर, महामंत्री रतनदीप गुर्जर, पूर्व सरपंच श्योजी राम गुर्जर, अंबालाल गुर्जर, पूर्व सीआर मनफूल गुर्जर, रामकुवार मीणा बाढ़, पुजारी श्रवण भोपा, राजाराम गुर्जर, ममता गुर्जर, पूर्व सरपंच, आदर्श ग्राम पंचायत डांगरथल सहित समाज के प्रबुद्धजनों एवं जनप्रतिनिधियों की गरिमामय उपस्थिति रही।

सभी अतिथियों का मंदिर कमेटी/ट्रस्ट अध्यक्ष नरेश कुमार गुर्जर के नेतृत्व में भगवान देवनारायण जी का छायाचित्र एवं दुपट्टा पहनाकर भव्य स्वागत सम्मान किया गया। उपस्थित लोगों ने नवनियुक्त सांसद अलका गुर्जर के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास एवं सामाजिक समरसता की अपेक्षा व्यक्त की।

नशा मुक्त ब्यावर अभियान बनेगा जन आंदोलन, कलेक्टर और एसपी ने दिए सख्त निर्देश; वर्ष 2026 में अब तक 3.97 करोड़ का नशा जब्त

एनकॉर्ड की समीक्षा बैठक: 1933 'मानस' हेल्पलाइन का होगा व्यापक प्रचार, सोशल मीडिया से जुड़ेंगे युवा

स्मार्ट हलचल

ब्यावर। जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध कारोबार और नशे की लत पर पूरी तरह लगाम लगाने के लिए प्रशासन ने कमर कस ली है। बुधवार को जिला कलेक्टर कमल राम मीना की अध्यक्षता में नारकोटिक्स कोऑर्डिनेशन सेंट की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कड़े निर्देश देते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि 'नशा मुक्त ब्यावर अभियान' को केवल सरकारी अभियान न रखकर एक 'जन आंदोलन' का रूप दिया जाए, ताकि समाज को इस बुराई से पूरी तरह मुक्त किया जा सके। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक रतन सिंह और अतिरिक्त जिला कलक्टर ब्रह्मलाल जाट सहित विभिन्न विभागों के आला अधिकारी मौजूद रहे।

साल 2026 में अब तक की बड़ी कार्रवाई: आंकड़े

बैठक के दौरान जिले में पुलिस और प्रशासन द्वारा नशीले पदार्थों के खिलाफ की गई कार्रवाई के आंकड़े भी सामने रखे गए: करोड़ों का नशा जब्त: वर्ष 2026 में अब तक कुल 54 मामले दर्ज कर 74 आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। इस दौरान तस्करों से 28 वाहन भी जब्त किए गए हैं। बाजार कीमत: जब्त किए गए मादक पदार्थों (डोडा

पोस्त, गांजा, अफीम और स्मैक) की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग 3 करोड़ 97 लाख 63 हजार 540 रुपये है। बीते एक महीने का एक्शन: पिछले एक माह में एनडीपीएस एक्ट के तहत 7 मामले दर्ज कर 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं, बीती 19 जून को ब्यावर सिटी थाना पुलिस ने एक महिला सहित दो आरोपियों को 25 ग्राम स्मैक के साथ दबोचने में कामयाबी हासिल की।

कलेक्टर के निर्देश: स्कूल-कॉलेजों में सजगता और 'मानस' का प्रचार

जिला कलेक्टर कमल राम मीना ने सभी विभागों को निर्देश दिए कि नशे के खिलाफ त्वरित कार्रवाई के लिए सूचना तंत्र को मजबूत करें। उन्होंने कहा कि: राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन 'मानस-1933' का स्कूल, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। युवाओं को जागरूक करने के लिए शिक्षण संस्थानों में नियमित रूप से जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं। नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाले आदतन और पुराने अपराधियों पर पुलिस विशेष निगरानी रखे।

एसपी की रणनीति: सोशल मीडिया और ह्यूमन इंटेलिजेंस पर जोर

बैठक में जिला पुलिस अधीक्षक श्री रतन सिंह ने साफ किया कि नशे के सौदागरों के खिलाफ पुलिस का अभियान अब और ज्यादा आक्रामक होगा। उन्होंने कहा कि पुलिस अपने ह्यूमन इंटेलिजेंस (मुखबिर तंत्र) को और मजबूत कर रही है ताकि सटीक सूचनाओं पर तुरंत रेड की जा सके। इसके अलावा, आज की युवा पीढ़ी को नशे की गर्त में जाने से बचाने के लिए सोशल मीडिया के माध्यम से एक बड़ा डिजिटल जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। बैठक के अंत में जिला कलेक्टर ने सभी अधिकारियों को राज्य सरकार और एनकॉर्ड की राज्य स्तरीय समिति के दिशा-निर्देशों की कड़ाई से पालना करने और आपसी तालमेल से काम करने के निर्देश दिए।

ठिकरिया कलां में दो ट्रांसफार्मर चोरी

एक ही रात में वारदात, ग्रामीणों ने पुलिस को दी सूचना

स्मार्ट हलचल

घाड़ (देवली), टोंक। क्षेत्र के ठिकरिया कलां गांव में बीती रात अज्ञात चोरों ने दो ट्रांसफार्मर चुरा लिए। इस घटना से ग्रामीणों में रोष व्याप्त है।

चोरों ने जगन्नाथ पिता सुवालाल गुर्जर के कृषि कनेक्शन के ट्रांसफार्मर (डीपी) को निशाना बनाया। इसके अलावा, राजू पुरी पिता माधुपुरी के यहां लगे सिंगल फेस घरेलू ट्रांसफार्मर को भी चुरा लिया गया। पीड़ितों के अनुसार, चोरों ने बड़ी चालाकी से ट्रांसफार्मर से कीमती तांबा (कॉपर), ट्रांसफार्मर ऑयल और अन्य महत्वपूर्ण पुर्जे निकाल लिए और फरार हो गए।

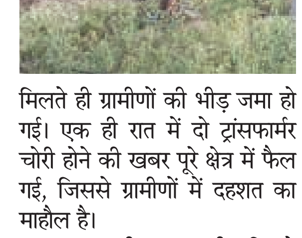

चोरी की इस घटना का पता बुधवार सुबह चला, जब किसान अपने खेतों पर पहुंचे। ट्रांसफार्मर गायब देख वे दंग रह गए। सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। एक ही रात में दो ट्रांसफार्मर चोरी होने की खबर पूरे क्षेत्र में फैल गई, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है।

घटना की जानकारी मिलते ही पीड़ित पक्ष ने तत्काल घाड़ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। संबंधित विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी घटना से अवगत करा दिया गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि चोरों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और क्षेत्र में गश्त बढ़ाई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग सके।

युद्धविराम से आगे: क्या विश्व अहिंसा की ओर बढ़ेगा?

ललित गर्ग

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा।

अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हाल ही में हुआ युद्धविराम ऐसे समय में सामने आया है, जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चले संघर्ष ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी प्रत्येक विस्फोटक घटना विश्व अर्थव्यवस्था को झकझोर रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसे में युद्धविराम ने विश्व को तत्काल राहत तो दी है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या यह समझौता स्थायी शांति की नींव बनेगा या केवल अगले युद्ध से पहले का एक अस्थायी विराम सिद्ध होगा? इतिहास साक्षी है कि युद्धविराम और शांति समझौते तभी टिकाऊ सिद्ध होते हैं, जब उनके पीछे केवल सामरिक विवशता नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति, पारस्परिक विश्वास और मानवता के प्रति प्रतिबद्धता भी हो। अन्यथा वे केवल संघर्षों के बीच का अंतराल बनकर रह जाते हैं। पश्चिम एशिया का इतिहास ऐसे असंख्य समझौतों का गवाह है, जो कागजों पर तो बने, लेकिन जमीन पर टिक नहीं सके।

इस युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान दिखाई देता है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा, बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी बाध्य किया। ईरान अब अपने नागरिकों के समक्ष यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकतों के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में प्रस्तुत करेगा। दूसरी ओर इस संघर्ष ने अमेरिका की अजेयता की छवि को भी चुनौती दी है। वियतनाम, इराक और अफगानिस्तान के बाद यह एक और अवसर है, जिसने यह स्पष्ट किया कि केवल सैन्य शक्ति राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया, अपनी सैन्य क्षमता का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे वार्ता और समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे यह संदेश गया है कि इक्कीसवीं सदी की दुनिया अब केवल शक्ति संतुलन से नहीं, बल्कि संवाद, कूटनीति और

बहुपक्षीय सहयोग से संचालित होगी।

इजरायल के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताओं को अपने देश के अस्तित्व के लिए खतरा बताते रहे हैं। इजरायल को आशा थी कि युद्ध के माध्यम से ईरान की सामरिक क्षमता को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। किंतु युद्धविराम के बाद ईरान स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस और तीव्र हो सकती है कि क्या क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं की तुलना में महाशक्तियों ने अपने सामरिक हितों को अधिक महत्व दिया। भारत के लिए यह समझौता विशेष महत्व रखता है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध की स्थिति में तेल आपूर्ति बाधित होने, समुद्री व्यापार मार्गों पर संकट उत्पन्न होने और कीमतों में वृद्धि की आशंका ने भारत की चिंता बढ़ा दी थी। युद्धविराम से तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, महंगाई नियंत्रित रहेगी और खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी घटेंगी। लेकिन भारत का महत्व केवल एक उपभोक्ता राष्ट्र के रूप में नहीं है, वह आज वैश्विक शांति के एक नैतिक प्रवक्ता के रूप में भी उभर रहा है।

दरअसल, यह युद्ध एक बड़े प्रश्न को जन्म देता है-क्या मानव सभ्यता युद्धों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर सकती है? आज महाशक्तियों ने ऐसी विनाशकारी सैन्य क्षमता अर्जित कर ली है कि किसी भी देश की एक छोटी-सी भूल संपूर्ण मानवता को विनाश की ओर धकेल सकती है। परमाणु हथियारों, जैविक अस्त्रों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित युद्ध प्रणालियों के युग में युद्ध अब केवल सीमाओं का प्रश्न नहीं रह गया है, वह समूची मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। यही कारण है कि आज दुनिया को शक्ति की नहीं, शांति की राजनीति की आवश्यकता है। हिंसा, युद्ध, आतंकवाद और शस्त्रीकरण की प्रतिस्पर्धा ने मानवता को भय, अविश्वास और असुरक्षा के गर्त में धकेल दिया है। यदि विश्व को बचाना है, तो उसे निःशस्त्रीकरण, अहिंसा, सह-अस्तित्व और संवाद की दिशा में आगे बढ़ना ही होगा।

इस संदर्भ में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण बन जाती है। भारत ने सदैव विश्व को शांति, करुणा और अहिंसा का संदेश दिया है। महात्मा गांधी ने कहा था, 'आंख के बदले आंख पूरे विश्व को अंधा बना देगी।' आज यह कथन पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो उठा है। भारत की सांस्कृतिक चेतना 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के सिद्धांत पर आधारित रही है, जो सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार मानती है। यही कारण है कि भारत ने सदैव युद्ध के स्थान पर संवाद और टकराव के स्थान पर सहमति का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी विश्व के अनेक मंचों पर स्पष्ट रूप से कहा है कि 'यह युग युद्ध का नहीं है।' संयुक्त राष्ट्र, जी-20, ब्रिक्स तथा अन्य अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत ने बार-बार इस बात पर बल दिया है कि किसी भी समस्या का समाधान युद्ध नहीं, बल्कि वार्ता है। यदि अंततः देशों को बातचीत की मेज पर ही लौटना पड़ता है, तो युद्ध की भयावह कीमत चुकाने की आवश्यकता ही क्या है?

भारत की विदेश नीति आज एक नए स्वरूप में सामने आ रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध हो, इजरायल-फिलिस्तीन संघर्ष हो अथवा पश्चिम एशिया का वर्तमान संकट-भारत ने किसी पक्ष विशेष का अंध समर्थन करने के बजाय संतुलन, संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की नीति अपनाई है। यही संतुलित दृष्टिकोण भविष्य में भारत को वैश्विक मध्यस्थ की भूमिका निभाने की दिशा में अग्रसर कर सकता है। लेकिन केवल सरकारें ही शांति स्थापित नहीं कर सकतीं। शांति का आधार समाजों, संस्कृतियों और मनुष्यों के भीतर निर्मित होता है। जब तक राष्ट्रवाद आक्रामकता का रूप लेता रहेगा, जब तक हथियार उद्योग युद्धों को लाभ का साधन बनाकर चलता रहेगा और जब तक राजनीतिक नेतृत्व युद्ध को लोकप्रियता अर्जित करने के उपकरण के रूप में उपयोग करता रहेगा, तब तक स्थायी शांति का सपना अधूरा रहेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व समुदाय कुछ ठोस कदम उठाए-परमाणु एवं सामरिक हथियारों की होड़ को नियंत्रित किया जाए, संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को अधिक प्रभावी बनाया जाए, अंतरराष्ट्रीय विवादों के समाधान के लिए स्थायी संवाद तंत्र विकसित किए जाएं और शिक्षा प्रणालियों में शांति एवं अहिंसा के मूल्यों को शामिल किया जाए। साथ ही युद्ध अर्थव्यवस्था के स्थान पर मानव कल्याण आधारित विकास मॉडल को प्राथमिकता दी जाए। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच हुआ युद्धविराम निश्चय ही राहत का क्षण है, किंतु इसे स्थायी शांति में परिवर्तित करना अभी शेष है। यदि यह केवल सामरिक पुनर्संरचना का चरण बनकर रह गया, तो भविष्य में और भी अधिक विनाशकारी संघर्षों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। लेकिन यदि विश्व समुदाय इस अवसर को आत्ममंथन का क्षण मानकर अहिंसा, संवाद और सह-अस्तित्व की नई वैश्विक संस्कृति विकसित करता है, तो यह युद्धविराम मानव इतिहास के एक नए अध्याय का प्रारंभ भी बन सकता है। दुनिया को आज युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला चाहिए। मानवता के समक्ष यही सबसे बड़ी चुनौती है और यही सबसे बड़ा अवसर भी।

संपादकीय

भयावह जलवायु संकट

ब्राजील के बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट में उल्लेखित आंकड़े भारत से जुड़ी जलवायु संकट की भयावह तस्वीर दिखाते हैं। रिपोर्ट बताती है कि भारत दुनिया में जलवायु आपदाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित पहले दस देशों में शामिल हैं। यह डराने वाली रिपोर्ट बताती है कि पिछले तीन दशक में भारत में आई जलवायु संकट से जुड़ी आपदाओं में करीब अस्सी हजार लोगों को मौत का ग्रास बनना पड़ा। इतना ही नहीं करीब 170 अरब अमेरिकी डॉलर का नुकसान भी देश को उठाना पड़ा है। ये आंकड़े जलवायु संकट के देश पर पड़ने वाले घातक प्रभावों की तस्वीर उकेरते हैं। जो बताते हैं कि इस संकट से उबरने के प्रयासों में और तेजी लाने की जरूरत है। निश्चित तौर पर इस दिशा में यदि युद्ध स्तरीय प्रयास तेज नहीं किए जाते तो भविष्य में परिणाम और घातक हो सकते हैं। ये प्रयास केवल सरकारी स्तर पर ही नहीं, सामाजिक स्तर पर भी तेज करने की जरूरत है। जागरूकता अभियानों में भी तेजी लाने की जरूरत है। इस संकट ने फसलों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभाव से हमारी खाद्य शृंखला पर भी संकट मंडरा सकता है। हमें 140 करोड़ से अधिक आबादी वाले देश का पेट भरने के लिये इस दिशा में शोध-अनुसंधान के साथ व्यापक किसान जागरूकता कार्यक्रम भी चलाने की जरूरत है। दरअसल, जलवायु संकट के चलते देश में जो ज्यादा नुकसान हुआ है, उसके पीछे लगातार आ रहे चक्रवात, कुछ इलाकों में सूखे और बाढ़ की लगातार पैदा होती स्थितियां हैं। जाहिर इसके मूल में तेजी से बढ़ता वातावरण का तापमान ही है। जिसका मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग ही है। निश्चित रूप से भारत में जलवायु संकट की स्थिति लगातार विकट होती जा रही है। निर्विवाद रूप से देश के सामने पैदा मौसमी आपदाओं से हमारे विकास में भी बाधा उत्पन्न हो रही है। जो जीविका संकट भी पैदा कर रहा है। दरअसल, बेलेम में संपन्न कॉप-30 सम्मेलन में जारी की गई 'जलवायु जोखिम सूचकांक-2026' रिपोर्ट उन संकटपूर्ण स्थितियों का भी खुलासा करती है जो जलवायु संकट के कारण पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्ष भारी बारिश व विनाशक रूप में आई बाढ़ से देश में करीब अस्सी लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

चिंतन-मनन

शाश्वत प्रेम अंतहीन है

प्रेम कितना ही होता जाए, अधूरा ही बना रहता है। वह परमात्मा जैसा है। कितना ही विकसित होता जाए, पूर्ण से पूर्णतर होता जाता है, फिर भी विकास जारी है। जैसे प्रेम का अधूरापन ही उसकी शाश्वतता है। ध्यान रखना कि जो चीज पूरी हो जाती है, वह मर जाती है। पूर्णता मृत्यु है; क्योंकि फिर बचा नहीं कुछ करने को, होने को कुछ बचा नहीं, आगे कोई गति न रही। जो चीज पूर्ण हो गयी, वह मर गयी। मर ही जायेगी, क्योंकि फिर क्या होगा? सिर्फ वही जी सकता है जो शाश्वत रूप से अपूर्ण है, अधूरा है, आधा है। तुम कितना ही भरो, वह अधूरा रहेगा। आधा होना उसका स्वभाव है। तुम कितने ही तृप्त होते जाओ, फिर भी पाओगे कि हर तृप्ति और अतृप्त कर जाती है। जितना पीते हो, उतनी ही प्यास बढ़ती चली जाती है। यह ऐसा जल नहीं है कि पी लो और तृप्त हो जाओ। यह प्यास को और जलाएगा। इसलिए प्रेमी कभी तृप्त नहीं होता। उसके आनंद का कोई अन्त नहीं है। क्योंकि आनंद का वहीं अन्त हो जाता है, जहां चीजें पूरी हो जाती हैं। कामी तृप्त हो सकता है, प्रेमी नहीं। काम का अन्त है, सीमा है; प्रेमी का कोई अन्त नहीं, कोई सीमा नहीं। प्रेम आदि-अनादि है। वह ठीक परमात्मा के स्वरूप का है। इस जगत में प्रेम परमात्मा का प्रतिनिधि है, समय की धारा में समयातीत का प्रवेश है, मनुष्य की दुनिया में अतिमानवीय किरण का आगमन है। प्रेम प्रतीक है यहां परमात्मा का और उसका स्वभाव परमात्मा जैसा है। परमात्मा कभी पूरा नहीं होगा, नहीं तो समाप्त हो जाएगा। उसकी पूर्णता बड़ी गहन अपूर्णता जैसी है। उपनिषद कहते हैं कि उस पूर्ण से पूर्ण को निकाल लो तो भी वह पूर्ण ही रहता है। उस पूर्ण में और पूर्ण को डाल दो, तो भी वह उतना ही रहता है, जितना था। वह जैसा है, वैसा ही है; उसमें घट-बढ़ नहीं होती। प्रेम भी जैसा पहले दिन होता है, वैसा ही अंतिम दिन भी होगा। जो चुक जाये, उसे तुम प्रेम ही मत समझना; वह काम वासना रही होगी। जिसका अन्त आ जाये, वह शरीर से सम्बन्धित है। आत्मा से जिस चीज का भी सम्बन्ध है, उसका कोई अन्त नहीं है। शरीर भी मिटता है, मन भी मिटता है; आत्मा तो चलती चली जाती है। वह यात्रा अनन्त है। मंजिल कोई है नहीं, क्योंकि अगर मंजिल हो तो मृत्यु हो जायेगी। तो कबीर कहते हैं : ढाई आखर प्रेम का! वे प्रेम के ढाई अक्षर की तरफ इशारा तो करते ही हैं, गहरा इशारा है प्रेम के आधेपन का। प्रेमी और प्रेयसी के बीच एक अदृश्य धारा है, एक अदृश्य आंदोलन है, एक सेतु है जिससे वे दोनों जुड़ गये हैं और एक हो गये हैं।

मोदी सरकार में सत्ता,संगठन में बदलाव के संकेतों की राजनीति ?

विनोद कुमार सिंह

बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल...

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की ओर सभी राजनीति पंडितओ का एक फिर से आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।जिसे चर्चा का बाजार फिर से गर्म है।उनका मानना है कि भारतीय राजनीति में कई बार घटनाओं से अधिक महत्वपूर्ण उनके संकेत होते हैं।सत्ता के गलियारों में जब अचानक गतिविधियाँ बढ़ने लगें,संगठनात्मक बैठकों का दौर तेज हो जाए,राज्यों में नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएँ होने लगें,राज्यसभा चुनाव सम्पन्न हो जाएँ और विभिन्न दलों के नेता नई राजनीतिक पारी की तलाश में सत्ताधारी दल की ओर रुख करने लगें,तब अनुभवी राजनीतिक पर्यवेक्षक समझ जाते हैं कि राजनीति किसी बड़े परिवर्तन की पटकथा की भूमिका लिख रही है।आज देश की राजधानी दिल्ली में कुछ ऐसा ही वातावरण दिखाई दे रहा है।केंद्र की मोदी सरकार और भारतीय जनता पार्टी के संगठन को लेकर चल रही चर्चाएँ यह संकेत दे रही हैं कि आने वाले दिनों में सत्ता और संगठन दोनों स्तरों पर महत्व पूर्ण परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार अपने तीसरे कार्यकाल के प्रारम्भिक चरण में है।किसी भी सरकार के लिए यह वह समय होता है,जब चुनावी उत्साह धीरे-धीरे प्रशासनिक यथार्थ में बदलता है और राजनीतिक नेतृत्व आगामी वर्षों की रणनीति तैयार करना शुरू करता है।भाजपा की कार्यशैली को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं कि पार्टी नेतृत्व 2027 के महत्व पूर्ण विधानसभा चुनावों और 2029 के लोकसभा चुनावों की तैयारी अभी से आरम्भ कर चुका है।यही कारण है कि मंत्रिमंडल विस्तार और संगठनात्मक पुनर्गठन की चर्चाएँ केवल राजनीतिक अटकलें नहीं,बल्कि व्यापक रणनीतिक सोच का हिस्सा प्रतीत होती हैं।हाल में सम्पन्न राज्यसभा चुनावों ने भी राजनीतिक समीकरणों को नई दिशा दी है। भाजपा ने विभिन्न सामाजिक वर्गों,क्षेत्रों और पेशेवर पृष्ठभूमि से आने वाले चेहरों को संसद के उच्च सदन में भेजकर यह संकेत दिया है कि पार्टी भविष्य की राजनीति के लिए नया नेतृत्व तैयार कर रही है। भारतीय राजनीति में राज्यसभा केवल विधायी सदन नहीं,बल्कि अनेक बार केंद्रीय नेतृत्व की प्रयोगशाला भी रही है।अतीत में अनेक ऐसे नेता रहे हैं,जिन्हें पहले राज्यसभा के माध्यम से राष्ट्रीय राजनीति में स्थापित किया गया और बाद में मंत्रिपरिषद में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इसलिए यह स्वाभाविक है कि राज्यसभा में पहुँचे कुछ नए चेहरे भविष्य के संभावित केंद्रीय मंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं ।राजनीतिक चचाओं का एक महत्वपूर्ण पहलू उन नेताओं को लेकर भी है जिन्होंने हाल के वर्षों में विभिन्न दलों को छोड़कर भाजपा का दामन थामा है।भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई घटना नहीं है,किन्तु जब सत्तारूढ़ दल में प्रभावशाली नेता शामिल होते हैं तो उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर अटकलें तेज होना स्वाभाविक है।भाजपा नेतृत्व के सामने चुनौती यह है कि वह पुराने कार्यकताओं की अपेक्षाओं, नए नेताओं की महत्वाकांक्षाओं और क्षेत्रीय राजनीतिक आवश्यकताओं के बीच संतुलन स्थापित करे।यही कारण है कि मंत्रिमंडल और संगठन में संभावित बदलाव को केवल प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि राजनीतिक संतुलन साधने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।इन चचाओं के बीच हाल में एक केंद्रीय राज्य मंत्री के इस्तीफे को राष्ट्रपति द्वारा स्वीकार किए जाने की घटना ने भी राजनीतिक हलकों में नई जिज्ञासा पैदा कर दी है।भारतीय राजनीति में हर इस्तीफा केवल व्यक्तिगत निर्णय नहीं माना जाता।कई बार वह व्यापक राजनीतिक पुनर्संरचना का संकेत भी बन जाता है।यद्यपि आधिकारिक रूप से इसे सामान्य संवैधानिक प्रक्रिया बताया गया है,फिर भी राजनीतिक विश्लेषक इसे संभावित फेरबदल से जोड़कर देख रहे हैं।दिल्ली की राजनीति में अक्सर घटनाओं का महत्व उनके तत्काल प्रभाव से नहीं,बल्कि उनके दूरगामी संकेतों से निर्धारित होता है।भाजपा की राजनीति का एक विशिष्ट पक्ष यह रहा है कि वह सरकार और संगठन दोनों को समान महत्व देती है।अटलबिहारी वाजपेयी के दौर से लेकर नरेन्द्र मोदी के वर्तमान नेतृत्व तक पार्टी ने समय-समय पर नेताओं को सरकार से संगठन और संगठन से सरकार में भेजकर नई भूमिकाएँ सौंपी हैं। इस दृष्टि से संभावना व्यक्त की जा रही है कि कुछ वर्तमान मंत्री संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल सकते हैं,जबकि संगठन में सक्रिय कुछ नेताओं को सरकार में अवसर मिल सकता है।आगामी वर्षों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं,वहाँ भाजपा संगठन को और अधिक सक्रिय तथा प्रभावी बनाने की आवश्यकता महसूस कर रही है।इसलिए अनुभवी नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी सौंपना पार्टी की रणनीति का हिस्सा हो सकता है। मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के साथ-साथ प्रदर्शन का प्रश्न भी स्वाभाविक रूप से उठता है। प्रत्येक सरकार अपने मंत्रियों का मूल्यांकन करती है और राजनीतिक प्रभाव,प्रशासनिक क्षमता तथा जनस्वीकार्यता के आधार पर जिम्मेदारियों का पुनर्वितरण करती है।मोदी सरकार की कार्यशैली को देखते हुए यह माना जाता है कि प्रदर्शन और राजनीतिक उपयोगिता दोनों को महत्व दिया जाता है।ऐसे में कुछ मंत्रियों की भूमिका बढ़ सकती है।कुछ के विभाग बदल सकते हैं और कुछ नए चेहरे सरकार में स्थान पा सकते हैं।यह भी संभव है कि युवाओं,महिलाओं, अनुसूचित जाति-जनजाति समुदायों तथा क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए मंत्रिमंडल में नई सामाजिक और राजनीतिक संतुलनकारी संरचना दिखाई दे। सहयोगी दलों की भूमिका भी इस पूरी प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में एनडीए केवल भाजपा का विस्तार नहीं,बल्कि अनेक क्षेत्रीय आकांक्षाओं का गठबंधन भी है। इसलिए यदि मंत्रिमंडल में फेरबदल होता है तो सहयोगी दलों की अपेक्षाओं और उनके राजनीतिक महत्व को भी ध्यान में रखा जा सकता है।गठबंधन राजनीति की सफलता केवल बहुमत के आंकड़ों पर नहीं,बल्कि सम्मानजनक भागीदारी और राजनीतिक विश्वास पर भी निर्भर करती है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की राजनीतिक शैली का अध्ययन करने वाले जानते हैं कि वे अपने निर्णयों को अंतिम क्षण तक गोपनीय रखने में विश्वास करते हैं।पिछले वर्षों में हुए मंत्रिमंडल विस्तारों ने यही सिद्ध किया है कि राजनीतिक विश्लेषकों की अनेक भविष्यवाणियाँ अंतिम सूची आने तक केवल अटकलें ही बनी रहती हैं।यही कारण है कि आज दिल्ली में चर्चाएँ बहुत हैं,संकेत अनेक हैं, किंतु निश्चित जानकारी बहुत कम है।बदलते राजनीतिक समीकरणों, राज्यसभा चुनावों और भाजपा के विस्तार अभियान के बीच संभावित फेरबदल की पड़ताल करने पर यह स्पष्ट दिखाई देता है कि भाजपा और केंद्र सरकार दोनों आने वाले राजनीतिक चरण के लिए स्वयं को तैयार कर रहे हैं।भारतीय राजनीति में परिवर्तन की आहट हमेशा पहले सुनाई देती है और घोषणा बाद में होती है।वर्तमान परिस्थितियाँ भी कुछ ऐसा ही संकेत दे रही हैं।सत्ता और संगठन की इस नई बिसात पर कौन आगे बढ़ेगा,कौन नई भूमिका में दिखाई देगा,कौन मंत्रिमंडल में स्थान पाएगा और कौन संगठन की जिम्मेदारी संभालेगा,इसका अंतिम निर्णय तो भाजपा नेतृत्व ही करेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि आने वाले दिनों में दिल्ली की राजनीति कुछ नए चेहरे,नई जिम्मेदारियाँ और नए राजनीतिक संदेश लेकर सामने आ सकती है।भारतीय लोकतंत्र की यही विशेषता है कि यहाँ सत्ता केवल शासन नहीं करती, बल्कि निरंतर स्वयं को पुनर्गठित भी करती रहती है।संभवतः देश की राजनीति इसी पुनर्गठन के एक नए दौर की दहलीज पर खड़ी है।

सुरक्षा मानकों पर सवाल: आखिर कब रुकेंगी ऐसी दर्दनाक अग्नि दुर्घटनाएं?

सुनील कुमार महला

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज क्षेत्र में 22 जून 2026 को एक दो-मंजिला व्यावसायिक भवन में लगी भीषण आग ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस दर्दनाक हादसे में तीन महिलाओं सहित 15 लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि सात अन्य घायल बताए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार मृतकों में अधिकांश विद्यार्थी थे, जो भवन की दूसरी मंजिल पर संचालित डिजिटल लाइब्रेरी और एनिमेशन सेंटर में अध्ययन कर रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार आग ग्राउंड फ्लोर पर स्थित एक पेट शॉप में शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और कुछ ही मिनटों में पूरे भवन में फैल गई। यह भी सामने आया है कि प्रवेश द्वार थंब इम्प्रेशन प्रणाली से संचालित था, जो आपातकालीन स्थिति में समय पर नहीं खुल पाया। साथ ही, भवन में आपातकालीन निकास(एमरजेंसी एक्जिट) मार्ग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं थी और भवन की सीढ़ियां भी अत्यंत संकरी थीं। यदि भवन का निर्माण स्वीकृत नक्शे के विपरीत किया गया था, अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी की गई थी, फायर सेफ्टी उपकरण पर्याप्त नहीं थे तथा हाइड्रेंट सिस्टम भी काम नहीं कर रहा था, तो यह निश्चित रूप से घोर लापरवाही का ही मामला कहा जा सकता है। इस दुखद घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, बसपा प्रमुख मायावती और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अनेक नेताओं ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

हम सभी यह बात अच्छी तरह से जानते हैं कि आज कोचिंग संस्थानों, पुस्तकालयों, विद्यालयों और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी अध्ययन करते हैं व प्रशिक्षण लेते हैं। ऐसे में आगजनी जैसी दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सुरक्षा इंतजाम अत्यंत महत्वपूर्ण और अनिवार्य हैं। प्रत्येक संस्थान में अग्निशमन यंत्र, फायर अलार्म, धुआँ संवेदक (स्मोक डिटेक्टर) तथा आपातकालीन निकास मार्ग की समुचित व्यवस्था तो होनी ही चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच के साथ-साथ विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को आपातकालीन परिस्थितियों में सुरक्षित निकासी का प्रशिक्षण भी समय-समय पर दिया जाना चाहिए। बच्चों और विद्यार्थियों की सुरक्षा में तो सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, जैसा कि बच्चे तो किसी भी देश का भविष्य होते हैं। वैसे बच्चों की ही नहीं,हर किसी की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए, क्यों कि जान हर किसी की कीमती होती है। अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित करना आज समय की आवश्यकता हो गई है। सतर्कता और उचित तैयारी के माध्यम से अनेक बहुमूल्य जीवन बचाए जा सकते हैं।

पाठक जानते होंगे कि पिछले कुछ वर्षों में देश में आगजनी की कई बड़ी घटनाओं ने जन-धन की भारी हानि पहुंचाई है और अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो साल पहले यानी कि वर्ष 2024 में दिल्ली के एक शिशु अस्पताल में लगी आग में कई नवजातों की मृत्यु हुई थी। इसी प्रकार से वर्ष 2025 में हैदराबाद के गुलजार हौज क्षेत्र में भीषण आग लगने से 17 लोगों की जान चली गई। इसी अवधि में जयपुर के एसएमएस अस्पताल के आईसीयू में लगी आग ने भी कई परिवारों को गहरे दुख में डाल दिया। वर्ष 2026 में ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू में आग लगने से अनेक मरीजों की मृत्यु हुई। वहीं लखनऊ के इस प्रशिक्षण केंद्र में हुई दुर्घटना ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया है कि अस्पतालों, शिक्षण संस्थानों, व्यावसायिक भवनों और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में अग्नि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन, नियमित निरीक्षण तथा प्रभावी आपातकालीन निकासी व्यवस्था अत्यंत आवश्यक है।

आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए अग्नि सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन करना आवश्यक है। भवनों, अस्पतालों, विद्यालयों, बाजारों और औद्योगिक इकाइयों में अग्निशमन यंत्र, धुआँ संवेदक, फायर अलार्म तथा आपातकालीन निकास मार्ग की उचित व्यवस्था होनी चाहिए। विद्युत तारों और उपकरणों की नियमित जांच कर शॉर्ट सर्किट की संभावना को कम किया जा सकता है। गैस सिलेंडरों तथा अन्य ज्वलनशील पदार्थों का सुरक्षित भंडारण भी आवश्यक है। लोगों को समय-समय पर अग्नि सुरक्षा प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल के माध्यम से जागरूक किया जाना चाहिए। साथ ही भवन निर्माण के दौरान निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन तथा संबंधित विभागों द्वारा नियमित निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए, तो आगजनी की घटनाओं और उनसे होने वाली जन-धन की हानि को काफी हद तक रोका जा सकता है। मानव जीवन अमूल्य है और उसकी सुरक्षा के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए।

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

- मनोविज्ञानी
- मनोचिकित्सक
- समाज सेवक
- काउंसलर
- शैक्षिक मनोवैज्ञानिक
- मानव संसाधन प्रबंधक
- अध्यापक
- अनुसंधान भूमिकाएं
- मीडिया भूमिकाएं
- मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

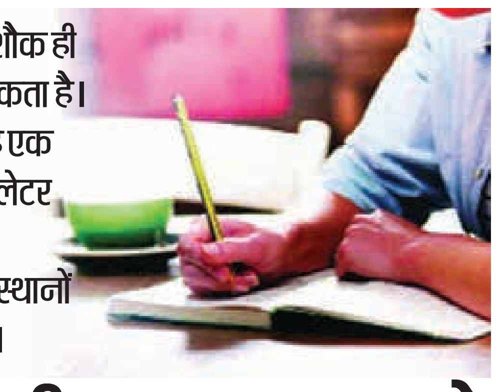

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फ्रीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कंटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कंटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com